साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MPHIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 18 | अंक 05 | प्रति सोमवार इंदौर, 02 सितंबर से 08 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

विश्व में अमेरिकी सोशल साइट्स का जनता को बर्बाद करने का षड्यंत्र

गूगल, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टेलीग्राम सब डकैतों की लूट के अड्डे

वर्तमान में यूट्यूब खोलने पर पहले जुए सट्टे षड़यंत्रकारीयां के कल पर्दे पर विज्ञापन, अधिकांश बैंक डकैती, लव जेहाद, आतंकी गतिविधियां, ब्लेकमेलिंग, यौनाचार में बच्चो से बुजुर्गो को उलझाने के षड़यंत्र

पूरे विश्व में अमेरिकी वर्ण संकर राक्षसों काषड्यंत्रहर क्षेत्र मेंपूरे उफान पर चल रहा है जो घरेलू बच्चों से लेकर बुजुर्गों महिला पुरुषों को फेसबुक इंस्टाग्राम व्हाट्सएप टेलीग्राम गूगल यूट्यूब पेटीएम गूगल पे व्हाट्सएप पे के उपयोग करने पर एक तरफ सभी प्रकार का डाटा इकट्ठा करने उसका व्यवसायिक दुरुपयोग करने, उपयोगकर्ता की आर्थिक सामाजिक खर्च करने व कमाने की क्षमता के डाटा इकट्ठा कर उसके हिसाब से विज्ञापन देने डाटा को उन कंपनियों को बैठने मोटी कमाई करने के साथ विभिन्न जुए सट्टे के खेलों लूडो रमी क्रिकेट के जुये सट्टे यौनाचार, चीनी कर्ज कंपनियों के, कमाई के लालच के विज्ञापनों के माध्यम से उलझा कर उनके बैंक खाता में डकैती डालने ब्लैकमेल करने लव जिहाद यौनाचार उत्पीड़न में उलझाने का खेल कर रहे हैं। जिस पर भारत के गृह मंत्रालय से लेकर राज्यों की पुलिस के साइबर सेल का भी कोई नियंत्रण नहीं है। जिसमें उलझ कर बच्चों से लेकर बुजुर्गों महिला पुरुषों में धन बर्बाद करने कर्ज में डूबने के कारण आत्महत्या करने की प्रवृत्ति बड़ी है। जिस पर विश्व के देशों की सरकारहै प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पा रहीं।

दूसरी तरफ अमेरिकी षड़यंत्रकारी संगठनों यूएनओ यथार्थ में यूनाइटेड नोटोरियस ऑर्गेनाइजेशन, डब्ल्यू एच ओ यथार्थ में वर्ल्ड हेजारडियस ऑर्गेनाइजेशन, वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन यथार्थ में वर्ल्ड ट्रेड टेरेरिस्ट ऑर्गेनाइजेशन के कारनामों

के बारे मेंतो पूर्व में लिख ही चुका हूं।

सोशल साइंस के बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो खबरें चल रही हैउसकी रिपोर्ट निम्न अनुसार है-

फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप यूजर्स को फिशिंग स्कीम में निशाना बनाया गया।

39,000 से अधिक वेबसाइट फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के लॉगिन पेज होने का दिखावा करती हैं ताकि लोगों को उनके यूजरनेम और पासवर्ड दर्ज करने के लिए धोखा दिया जा सके।

फेसबुक, जिसे अब मेटा के नाम से जाना जाता है, ने अपने प्लेटफॉर्म के लॉगिन पेजों की नकल करने वाली वेबसाइटों पर नकेल कसने के लिए मुकदमा दायर किया।

मेटा, जिसे पहले फेसबुक के नाम से जाना जाता था, ने सोमवार को कहा कि वह उन लोगों पर मुकदमा कर रहा है जो उसके प्लेटफॉर्म से यूजरनेम और पासवर्ड चुराने की फिशिंग स्कीम के पीछे हैं।

उत्तरी कैलिफोर्निया की एक संघीय अदालत में दायर मुकदमे में कहा गया है कि 2019 से 39,000 से अधिक वेबसाइट बनाई गई हैं जो फेसबुक, इंस्टाग्राम, मैसेंजर और व्हाट्सएप के लॉगिन पेजों की नकल करती हैं। मेटा को नहीं पता कि हमले के पीछे कौन है, लेकिन उसका कहना है कि यह अपने उपयोगकर्ताओं को उनके यूजरनेम और पासवर्ड दर्ज करने के लिए धोखा देने के प्रयास का हिस्सा है।

यह कदम इस बात को रेखांकित करता है कि दुनिया का सबसे बड़ा सोशल नेटवर्क फ़िशिंग से कैसे निपटने की कोशिश कर रहा है, एक ऐसी प्रथा जिसमें हमलावर लोगों को उनकी व्यक्तिगत जानकारी प्रदान करने के लिए धोखा देने की कोशिश करने के लिए नकली वेबसाइट या ईमेल बनाते हैं। मेटा के प्लेटफ़ॉर्म और मुकदमेबाजी निदेशक जेसिका रोमेरो ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, 'पूरे उद्योग में फ़िशिंग हमलों की रिपोर्ट बढ़ रही हैं और हम हमले के पीछे के लोगों की पहचान उजागर करने और उनके हानिकारक आचरण को रोकने के लिए यह कार्रवाई कर रहे हैं।' जुलाई में, एंटी-फ़िशिंग वर्किंग ग्रुप ने कहा कि उसने 260,642 फ़िशिंग हमले दर्ज किए, जो समूह के रिपोर्टिंग इतिहास में सबसे अधिक मासिक कुल है। समूह की रिपोर्ट के अनुसार, फ़िशिंग हमले 2020 से दोगुने हो गए हैं। 21-पृष्ठ के मुकदमे में कहा गया है कि अनाम प्रतिवादियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए सैन डिएगो स्थित टेक कंपनी एनग्रोक की सेवाओं का इस्तेमाल किया और 'अपनी फ़िशिंग वेबसाइटों पर इंटरनेट ट्रैफ़िक को इस तरह से रिले किया कि यह अस्पष्ट हो गया कि उनकी वेबसाइट कहाँ होस्ट की गई थी।' मुकदमे में लॉगिन पेजों के स्क्रीनशॉट शामिल थे जो फेसबुक, इंस्टाग्राम, मैसेंजर और व्हाट्सएप के लॉगिन पेजों के समान दिखते थे, लेकिन एनग्रोक यूआरएल का इस्तेमाल करते थे। कुछ नकली वेबसाइट अंग्रेजी और इतालवी में थीं। एनग्रोक के संस्थापक और सीईओ एलन श्रेव ने कहा कि कंपनी मेटा और अन्य फर्मों के साथ मिलकर 'हमारे प्रत्येक सिस्टम में दुर्भावनापूर्ण अभिनेताओं के प्रभाव का पता लगाने, सीमित करने और खत्म करने के लिए काम करती है।'

(शेष पेज 7 पर)

मूढ़ घोर भ्रष्ट लालची मोदी के पूंजीवाद प्रेम ने देश व जनता को भिखारी बना दिया

10 सालों में देश व जनता को दी आर्थिक बदहाली, श्रमिकों का देश व दुनिया में शोषण

5 करोड़ उद्योग धंधे व्यवसाय चौपट कर 40 करोड़ को बेरोजगार किया, शासकीय विभागों में भी न्यूनतम वेतन से कम विदेश में भी प्रवासी मजदूरों का भयानक शोषण

विश्व स्तर पर भारत में प्रति व्यक्ति आय सूचकांक में भारत 117, भूख सूचकांक में 128 वें बेरोजगारी में 143 वें क्रम पर बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान से नीचे लाने की श्रेष्ठता में मोदी की पूंजीपतियों के इशारे पर नाच कर देश को सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी तालाबंदी में उलझा कर बर्बाद करने और 40 करोड़ को बेरोजगार बनाने का ही जादू है। बेरोजगार बनाने के षड्यंत्र का मूल उद्देश्य अपने पूंजीपति मित्रों अढ़ानी अंबानी टाटा बिरला जैसे सैकड़ो पूंजी पतियों को आसानी से न्यूनतम मजदूरी जो कि वर्तमान में केंद्र शासन के सर मंत्रालय द्वारा रु. 390 निश्चित है से भी कम पर काम लेकर अधिकतम लाभ कमाये। बदले मे मोदी सरकार को मोटा कमीशन मिलता रहे।

केंद्र व राज्य शासन के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के 90% पदों पर वर्तमान में बाहरी ठेका कर्मी मात्र 8 से 10000 रुपए महीने में नौकरी कर एक वक्त भोजन कर जीवन यापन करने मजबूर हैं। वर्तमान में गैस के केंद्रीय विभागों से लेकर सभी राज्यों के सरकारी विभागों में लगभग एक करोड़ से ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं पर उन्हें स्थाई भर्तीयां नहीं की जा रही।

(शेष पेज 2 पर)

न्यायालय न्याय के मंदिर नहीं हुए के अड्डे, भूतपूर्व राष्ट्रपति के आर नारायणन

न्यायालयीन व्यवस्था सत्ताधीशों व पूंजीपतियों के गुलाम...

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश भी परेशान अपने ही रजिस्ट्रार के भ्रष्टाचार से...

भारत की न्यायालय व्यवस्था के बारे में जिले के सत्र न्यायालयों से लेकर उच्च वास सर्वोच्च न्यायालयों के पिछले 75 सालों में लाखों प्रकरण सामने आ चुके हैं और 2014 के बाद से जब से भुखेरा जन पार्टी के मूढ़ अहंकारी भ्रष्ट मोदी ने सत्ता संभाली है। न केवल वरन पुलिस, प्रशासन से न्यायालयीन व्यवस्था तक जो की पूर्णता सत्ताधीश दल के पार्षदों विधायकों सांसदों के साथ मोदी के पूंजीपति मित्रों आदरणीय अंबानी टाटा बिरला व अन्य सैकड़ो की गुलामी की तरह व्यवहार कर जनता का शोषण करने के कारण भी जनता का विश्वास खत्म हो गया है।

सत्ताधीश दल के बड़े-बड़े नेताओं पार्षदों विधायकों सांसदों मंत्री मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री पद पर विराजे नेता अधिकांश नेता बड़े भू कॉलोनी ड्रग शराब शिक्षा स्वास्थ्य मानव तस्करी बलात्कार सामूहिक बलात्कार बाल अपराधों के पाक्सो के अपराधियों वैश्याओं के संसद और विधानसभाएं अड्डे बन चुकी है इसलिए जनता काहर तरह सेहर प्रकार का शोषण किया जा रहा है और इसका दुष्परिणाम यह हुआ की स्वयं न्यायालय अपने यहां बैठे स्टाफ के भ्रष्टाचार से परेशान है और उसमें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने अपने ही रजिस्ट्री में बैठे रजिस्ट्रार के भ्रष्टाचार से परेशान होकर उनको इस पर कार्रवाई करनी पड़ी जिसका विवरण निम्न अनुसार है।

(शेष पेज 6 पर)

साप्ताहिक समय माया

10 सालों में देश व जनता को दी आर्थिक बदहाली, श्रमिकों का देश व दुनिया में शोषण

पेज 1 का शेष

उल्टे ही अधिकांश केंद्र पर राज शासन के सरकारी विभागों में आने को पद खत्म किया जा रहे हैं जब कि कम 1990 और 2000 की तुलना में चार गुना ज्यादा हो गया। भारतीय सेना के तीनों जल थल और नभ में ही 30 लाख सैनिकों अधिकारियों की कमी होने के साथ से केंद्रीय व राज्यों के अर्धसैनिक बलों और राज्यों की पुलिस में भी 50 लाख सैनिकों अधिकारियों के पद खाली पड़े हैं। यही हाल रेलवे मैं भी 10 लाख से ज्यादा गैंग मेन से लेकर अधिकारियों मैकेनिकल सिविल इलेक्ट्रॉनिक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरो तक के पद खाली है जबकि रेलवे में लूट दोगुना होने के साथ रेलवे की पटरियों सिग्नल्स इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक लाइन वर्कशॉप आदि के अधिकांश कार्यों को ठेके पर देकर बर्बाद करने पर तुले हुए हैं।

इसी प्रकार की स्थितिदेश के सभी राज्यों के विद्युत मंडलों को कंपनियों में बदलने के बाद उन वितरण पारेषण उत्पादन कंपनियों का भी है जहां पर तत्काल ऑनलाइन बैंक से लेकर इंजीनियर बाबू तक पूरे देश भर में 10 लाख से ज्यादा कर्मचारियों की आवश्यकता है पर वहां पर भी अधिकांश कार्य ठेके पर करवा पूरी अधो संरचना को बर्बाद किया जा रहा है। एक तरफ जनता से लूट के बाद कर्मचारियों की भर्ती न कर सभी को घाटे में दिखाकर उसका भी निजीकरण करने का षड्यंत्र पूरी तरह से तैयार है।

यही हाल निजी क्षेत्रों में भी केंद्र सरकार की मजदूरी बढ़ाने के बाद जब राज्य सरकार के समांतरण की मजदूरी बढ़ाई से बचने के लिए यहां के पूंजीपतियों ने श्रम विभाग के उपायुक्त घोर भ्रष्ट जालसाज जिसके ऊपर 3-4 बार लोकायुक्त छापा पड़ चुका है जांच लंबित है। उसे आदेश को 2 महीने मजदूरी बांटने के बाद उच्च न्यायालय में याचिका लगा स्थगित करवा दिया।

यह हाल पूरे देश का है जहां न्यूनतम मजदूरी से भी कम मजदूरी निजी व सरकारी क्षेत्र में देकर श्रम कानून और भारतीय कारखाना अधिनियम 1948 के अंतर्गत सप्ताह में 48 घंटे से ज्यादा 72 घंटे तक काम लेकर भी न्यूनतम से कम मजदूरी दी जा रही है। दूसरी तरफ अपनी भ्रष्टाचार से मोटी कमाई के लिए जो कांग्रेस के समय में ढाई सौ से ज्यादा वस्तुओं परवेट वसूला जाता था अब 12 से 28% तक 1500 से ज्यादा वस्तुओं व सेवाओं पर जीएसटी वसूली करने के कारण बाजार में सन 2014 की अपेक्षा महंगाई डेढ़ से दो गुनी हो चुकी है।

दूसरी तरफ भारतीय मजदूर जब देश में परेशान हुए तो उन्होंने विश्व के अन्य देशों की तरफ रूख किया। परंतु वहां जाकर भी वेक मोदी की जाहिलता के कारण विदेश में भी परेशान हो रहे हैं जिसकी एक रिपोर्ट निम्न अनुसार है।

दुनिया भर में बदहाली के शिकार हैं भारतीय प्रवासी मज़दूर

बढ़ते वैश्विक आर्थिक संकट ने दुनिया भर में भयानक बदहाली और आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। भारत जैसे तीसरी दुनिया के देशों की हालत तो और भी बुरी है। यही कारण है कि यहाँ से भारी पैमाने पर कुशल-अकुशल मज़दूर वैध-अवैध रूप से रोज़गार की तलाश में अमेरिका, कनाडा, जर्मनी और इटली जैसे देशों में जा रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इसमें बड़ी संख्या भारत के विकसित माने जाने वाले देश गुजरात और पंजाब की है, चूँकि ये विकसित देश आज खुद ही आर्थिक संकट और बेरोज़गारी से ग्रस्त हैं। यही कारण है कि इन प्रवासी मज़दूरों का भयानक रूप से आर्थिक शोषण हो रहा है। उनसे कम मज़दूरी पर बहुत ज़्यादा काम करवाया जा रहा है, व्यापक रूप से उनके मानवाधिकारों का भी हनन हो रहा है, इसी संदर्भ में 19 जून 2024 को पंजाब के मोगा जिले के 31 वर्षीय सतनाम सिंह की भयानक मौत ने सभी को दहलाकर रख दिया है।

पिछले दो साल से सतनाम सिंह इटली में रह रहे थे। वे और उनकी पत्नी एक फॉर्म में काम करते थे। खेतों में भारी मशीनरी पर काम करते हुए सतनाम सिंह का शरीर मशीन में आ गया। उनकी बाज़ू कट गई और टाँग पर चोटें लगीं। सतनाम सिंह के मालिक ने अमानवीय शोषक व्यवहार करते हुए गाड़ी में डालकर उसके घर के सामने सड़क पर फेंक दिया। उसकी पत्नी और साथ काम करने वाले मज़दूरों ने उसे डेढ़ घंटे बाद अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल लेकर जाने में हुई देरी के कारण सतनाम सिंह की मौत हो गई। इटली के मज़दूरों और पंजाबी लोगों द्वारा सतनाम सिंह को न्याय दिलाने के लिए 25 जून को बड़ा धरना प्रदर्शन भी किया गया था।

इस घटना ने इटली के शासकों को भी मुँह खोलने पर मजबूर किया। वहाँ की धुर दक्षिणपंथी पार्टी की नेता जॉर्जिया मैलोनी; जो खुद सत्ता में प्रवासी मज़दूरों के खिलाफ़ नफ़रती प्रचार करके कुर्सी पर बैठी है, को भी जनता के दबाव में इस घटना पर बोलना पड़ा और मालिक पर क़ानूनी कार्यवाही का आदेश देना पड़ा है। यह कोई पहली घटना नहीं है और ना ही कोई आखिरी घटना है, जिसने प्रवासी मज़दूरों की काम की जगहों पर भयानक हालतों, उनके साथ होते घटिया व्यवहार, कम वेतन आदि की पोल खोली है।

इटली में करीब 1 लाख 80 हज़ार भारतीय मज़दूर प्रवास करके गए हुए हैं। इसके अलावा अन्य पिछड़े देशों से भी मेहनतकश लोग इटली में आकर बसे हुए हैं। इटली में ये प्रवासी मज़दूर क़ानून और ग़ैर-क़ानूनी दोनों तरीक़ों से गए हुए हैं। समय-समय पर रिपोर्टें बाहर आती हैं, जो क़ानूनी और ग़ैर-क़ानूनी प्रवासी मज़दूरों के जीवन और कम वेतन आदि के बारे में ब्यौरा मुहैया कराती हैं। इस घटना के साथ ये सभी मुद्दे भी चर्चा में हैं।

इटली सब्जियों और फलों के उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इटली में खेतीबाड़ी बहुत बड़े पैमाने

पर होती है। यहाँ खेतीबाड़ी करने के लिए आधे से ज़्यादा खेतिहर मज़दूर दूसरे देशों से आते हैं। उन्हें काम के बेहद बुरे हालात में लगातार 10 से 12 घंटे तक काम करना पड़ता है। इन मज़दूरों को प्रति घंटा केवल चार या पाँच यूरो का भुगतान किया जाता है। उन्हें कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलती। ना रहने के लिए कोई ढंग की रिहायशी सुविधा है। यहाँ तक कि छुट्टी की सुविधा भी नहीं दी जाती।

इटली में बड़े फ़ार्मों के लिए सस्ते कृषि मज़दूर उपलब्ध कराने की प्रणाली को 'एग्रोमाफ़िया' और 'कैप्रोली' जैसे नाम दिए गए हैं। इस प्रणाली के तहत स्थानीय फ़ार्मर मालिकों को मज़दूर उपलब्ध कराए जाते हैं। इन मज़दूरों से सभी क़ानूनी दस्तावेज़ ले लिए जाते हैं और बिना किसी लिखित समझौते के सस्ते वेतन पर 10 से 12 घंटे के लिए काम पर लगा दिया जाता है।

'एग्रोमाफ़िया' के संचालक, मज़दूरों से मज़दूरी का हिस्सा भी लेते हैं और कभी-कभी तो उनके भोजन का भी हिस्सा लेते हैं। इन मज़दूरों को काम के दौरान दुर्घटना होने पर ना तो कोई मुआवज़ा मिलता है और ना ही कोई अन्य सुविधाएँ दी जाती हैं। यहाँ तक कि छुट्टी भी नहीं दी जाती। इसमें क़ानूनी और ग़ैर-क़ानूनी दोनों प्रकार के प्रवासी मज़दूर होते हैं। ग़ैर-क़ानूनी प्रवासी मज़दूर को तो और भी कम वेतन दिया जाता है।

वर्ष 2017 में बलबीर सिंह नाम के मज़दूर का मामला सामने आया था, जब उसने सोशल मीडिया के ज़रिए मदद की गुहार लगाई थी। बलबीर सिंह पशुओं की देखभाल का काम प्रतिदिन 12 से 13 घंटे करता था। उसे कोई छुट्टी नहीं दी जाती थी, खाने को भी मालिक का बचा हुआ जूठा भोजन दिया जाता था। उसके लिए ना तो बिजली का प्रबंध था और ना ही गरम पानी और रहने की उचित व्यवस्था की गई थी।

बलबीर सिंह को हर महीने 100 से 150 यूरो वेतन दिया जाता था, जो 50 सेंट प्रति घंटा से भी कम बनता है। 17 मार्च 2017 को ट्रेड यूनियन के ज़रिए बलबीर सिंह को बचा लिया गया, लेकिन वहाँ अनेकों ही सतनाम सिंह, बलबीर सिंह आदि हैं, जिनका जीवन नरक बना हुआ है। ग़ैर-क़ानूनी तौर पर आए हुए मज़दूर ऐसे इलाक़े में रहते हैं, जहाँ ना अस्पताल है,ना स्कूल की सुविधा। ये मज़दूर अँधेरे घरों में रहने के लिए मज़बूर हैं। पुलिस द्वारा पकड़े जाने के डर से बिना सुरक्षा उपकरण के कम वेतन पर काम करने को मजबूर होते हैं।

2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार तीन क्विंटल टमाटर को कंटेनर में भरने के लिए इन मज़दूरों को प्रति घंटा पाँच यूरो मिलते हैं,उसमें से भी एग्रोमाफ़िया दो यूरो हड़प लेता है और मज़दूर के पास केवल तीन यूरो बचते हैं। बड़े-बड़े निजी फ़ार्मों के मालिक मुनाफ़े के लिए इतने बर्बर हो गए हैं कि वे अपने मज़दूरों को पानी पीने तक का समय नहीं देते। अगर मज़दूर काम के दौरान पानी पीने या खाना खाने के लिए रुकते हैं,तो उन्हें नौकरी से निकाले जाने का डर रहता है। ऐसी भयानक परिस्थितियों में प्रवासी मज़दूर काम करने को मजबूर हैं। 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार 2 लाख 30 हज़ार मज़दूर बिना किसी लिखित समझौते के खेतों में काम कर रहे थे।

इटली दुनिया-भर में अच्छी गुणवत्ता वाले फलों और सब्जियों के बड़े पैमाने के उत्पादन के कारण प्रसिद्धि प्राप्त कर रहा है, लेकिन इस प्रसिद्धि के पीछे लाखों मज़दूरों की ज़िंदगी, उनकी लूट, यहाँ तक कि उनका खून भी शामिल है। वर्ष 2024 के पहले चार महीनों के दौरान खेतों में काम करते हुए दुर्घटनाओं के 268 मामले सामने आए थे। मशीन में हाथ फँस जाना, हाथ कट जाना, दिल का दौरा पड़ना, अंगूरों की बेलें बाँधते समय ऊपर से गिरकर हड्डियाँ टूट जाने से लेकर मौत हो जाने जैसी दुर्घटनाएँ इन बड़े फ़ार्मों में होती रहती हैं। इस सबसे इटली के शासकों और पूँजीपतियों को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। ये प्रवासी मज़दूर इन शासकों के लिए सस्ते श्रम का एक प्रमुख स्रोत हैं। ये मालिक इसी स्रोत से बड़े पैमाने पर मुनाफ़ा कमाते हैं।

सरकारी नीतियों के तहत ग़ैर-क़ानूनी प्रवासी मज़दूरों को उनके नागरिक अधिकारों से भी वंचित रखा जाता है। उनके मानवाधिकारों के लिए कोई थोड़े-बहुत क़ानून भी नहीं बनाए जाते। क़ानूनी तौर पर गए प्रवासी मज़दूरों को लूटने का भी पूरा प्रबंध किया जाता है, उन्हें बहुत ही सीमित अधिकार दिए जाते हैं। यह सब कुछ सरकार द्वारा पूँजीपति शासकों की सेवा के लिए क़ानून बनाकर ही किया जाता है।

दूसरा, हुक्मरानों द्वारा मज़दूरों को स्थानीय और प्रवासियों के आधार पर बाँटने की कोशिश होती है और इसे अपनी शोषणकारी राजनीति के लिए हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। आर्थिक मंदी के दौरान बढ़ती बेरोज़गारी, बढ़ती महँगाई के समय स्थानीय मज़दूरों को गुमराह करने के लिए सारी समस्या की जड़ के तौर पर प्रवासी मज़दूरों को पेश किया जाता है। नस्लीय भेदभाव, स्थानीय और प्रवासी मज़दूरों का मुद्दा शासकों के लिए वोट बटोरने से लेकर कुर्सी तक पहुँचने का ज़रिया बनाया जाता है।

रोज़ी-रोटी के लिए बेहतर जीवन की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करना युगों पुरानी परिघटना है। जब मानव समाज अभी वर्गों में विभाजित नहीं हुआ था, तब भी इंसानी आबादी मैदानों, उपजाऊ ज़मीन, चरागाहों और अधिक सहनीय जलवायु वाले क्षेत्रों की तलाश में इधर-उधर अपने ठिकाने बदलती रहती थी,लेकिन जब समाज वर्गों में विभाजित हो गया,तो वर्ग उत्पीड़न लोगों के प्रवास का मुख्य कारण बन गया। आज हम पूँजीवादी समाज में रह रहे हैं, जहाँ हम बड़े पैमाने पर हो रहे प्रवास के गवाह बन रहे हैं। यह प्रवास एक देश के भीतर हो रहा है, एक देश से दूसरे देश में भी हो रहा है। अगर हम भारत का उदाहरण लें तो यहाँ मज़दूर आबादी रोज़गार की तलाश में एक राज्य से दूसरे राज्य की ओर प्रवास करती रहती है।

इस पूँजीवादी ढाँचे में असमान आर्थिक विकास एक ढाँचागत नियम है,जहाँ पूँजी निवेश के लिए अच्छी परिस्थितियाँ, कच्चा माल, संचार के साधन और बाज़ार आदि होते हैं, वहाँ पूँजीपति अधिक निवेश करते हैं। इससे कुछ क्षेत्रों में अधिक विकास होता है और दूसरे क्षेत्र श्रम शक्ति की आपूर्ति के केंद्र बन जाते हैं, इसलिए इस ढाँचे में कहीं अधिक विकास होता है, तो कहीं कम होता है। यह नियम एक देश के भीतर भी होता है, दुनिया-भर के अलग-अलग देशों में भी होता है।

विश्व स्तर पर देखें, तो यह असमान विकास हमें एक ओर विकसित पूँजीवादी साम्राज्यवादी देशों और दूसरी ओर पिछड़े देशों के रूप में दिखाई देता है। ये पिछड़े देश विकसित पूँजीवादी देशों के लिए सस्ते श्रम का स्रोत बनते हैं। पिछड़े पूँजीवादी देश– एशिया,अफ़्रीका,लैटिन अमेरिका आदि के देशों से मज़दूर विकसित पूँजीवादी देशों की ओर प्रवास करते हैं। इन मज़दूरों की संख्या करोड़ों में है। क़ानूनी और ग़ैर-क़ानूनी दोनों तरीक़े अपनाकर मज़दूर प्रवास करते हैं।

ऐतिहासिक दृष्टि से प्रवास की परिघटना प्रगतिशील क़दम है। मज़दूरों का प्रवास विभिन्न भाषाओं,जातियों, धर्मों, संस्कृतियों और राष्ट्रों के मज़दूरों को एक साथ इकट्ठा करता है। प्रवास उनमें भाषाई, सांस्कृतिक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विभाजन आदि को तोड़कर उनके बीच वर्ग आधारित साझापन पैदा करता है। जब पिछड़े क्षेत्रों से मज़दूर उन्नत क्षेत्रों की ओर प्रवास करते हैं, तो उनकी चेतना का स्तर बढ़ जाता है। वे अपने अधिकारों के बारे में, जीवन के तरीक़े के बारे में पूँजीवादी ढाँचे की खामियों के बारे में अधिक चेतना प्राप्त करते हैं।

जब मज़दूर आंदोलन कमज़ोर होता है, तब पूँजीवादी शासक नस्ल, जाति, भाषा और धर्म आदि के आधार पर विभाजन करने में सफल होते हैं, लेकिन पूँजीवाद अपने नियम के कारण छोटे मालिकों को संपत्तिहीन कर उन्हें मज़दूर बनाता जाता है। उन सभी के लिए जीने के बद से बदतर हालात पैदा करता रहता है, जिसके कारण बड़ी संख्या में मज़दूरों में साझापन पैदा होता है। उनके सामने शासक शोषण करते हुए दिखाई देते हैं और शोषित होते हुए वे खुद और उनके अपने मज़दूर साथी दिखाई देते हैं।

यही वर्गीय साझापन उन्हें शोषण समाप्त करने के कार्यभार को अंजाम देने के लिए एकजुट करता है। इटली के मज़दूरों ने और प्रवासी मज़दूरों ने मिलकर सतनाम सिंह को न्याय दिलाने के लिए बड़ा विरोध प्रदर्शन किया, जिसके चलते सतनाम सिंह की पत्नी को मुआवज़ा भी मिला है और मालिक को गिरफ़्तार भी किया गया है।

वास्तव में इन विकसित देशों में आज बड़े पैमाने पर अवैध रूप से भारतीय मज़दूर जा रहे हैं,जिनके ऊपर कोई श्रम कानून लागू नहीं होता, इस कारण से उन्हें कम मज़दूरी पर अधिक काम करना पड़ता है तथा मुँह खोलने पर जेल भेजने की धमकी का सामना करना पड़ता है, लेकिन प्रवासी मज़दूर वैध हो या अवैध हो, इटली जैसे यूरोपीय देशों में कम से कम वहाँ की राजनीतिक पार्टियाँ तथा मीडिया इन जैसे मामलों को प्रकाश में लाती हैं, परन्तु भारत जैसे देशों की स्थिति तो इससे भी बुरी है। यहाँ पर मज़दूरों का शोषण और श्रम कानूनों के उल्लंघन पर मीडिया तथा शासक वर्ग के सभी घटक शर्मनाक रूप से चुप्पी साध लेते हैं, इनका भारतीय प्रवासी मज़दूरों के पक्ष में बोलना तो बहुत दूर की बात है।

आइएएस व नेता सब माफियाओं के टुकड़ाखोर रखैल

अरबों रु. की रोज की करवा रहे जीएसटी चोरी

प्रदेश के 40 वैध व 100 से ज्यादा छोटे नाकों से रोज 20 हजार ट्रक 10 हजार बसें माल कर चोरी कर लाते ले जाते हैं

मध्य प्रदेश में नवंबर 2023 में 18 साल से कुंडली मारे बैठे मुख्यमंत्री शिवराज के बदलने व मोहन यादव के आने के बाद जनता ने महसूस किया था कि पूरे प्रदेश में जो पूरे भारतीय प्रशासनिक बनाम प्रताड़ना सेवा के घोर भ्रष्ट जालसाज डकैत निरंकुश अधिकारियों जो जिलों के एडीएम एसडीएम मुख्य कार्यालय अधिकारी जिला पंचायत कलेक्टर से लेकर संभागीय और राजधानी स्तर परसचिन संचालक आयुक्त से लेकर प्रधान व मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों विधायकों-सांसदों जो पूरी तरह से प्रदेश के भू कॉलोनी, परिवहन, ड्रग, शिक्षा, वाणिज्य कर, पुलिस, राजस्व, पंजीयन, आबकारी, स्वास्थ्य, निगमों, पालिकाओं, परिषदों, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, जल संसाधन, महिला बाल विकास, आदिम, अनुसूचित जन जाति, कृषि, उद्यानिकी, वन, विद्युत, आदि प्रदेश के सभी विभागों के संचालको से लेकर प्रधान व मुख्य सचिवों के सभी दलालों ठेकेदारों माफियाओं को पालकर मोटी वसूली करने वालों के भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी।

पर ऐसा कुछ होने की अपेक्षा चारों तरफ सभी प्रकार के भ्रष्टाचारों को बढ़ावा ही दिया जा रहा है।

प्रति
माननीय श्री धनराज सिंह जी,
कमिश्नर, सेल्स एण्ड टैक्स, इन्दौर म.प्र.

विषय :- अरबों रुपये की जीएसटी चोरी की सूचना देने बाबत।

महोदय,
उपरोक्त विषय अंतर्गत लेख है कि मध्यप्रदेश में जीएसटी चोरी का एक बहुत बड़ा सिंडिकेट नेटवर्क कार्यरत है, जिसके अन्तर्गत सैकड़ों दलाल मध्यप्रदेश एंटीविजन व नेता द्वारा व ट्रांसपोर्ट, सैकड़ों फैक्ट्री सम्मिलित है।

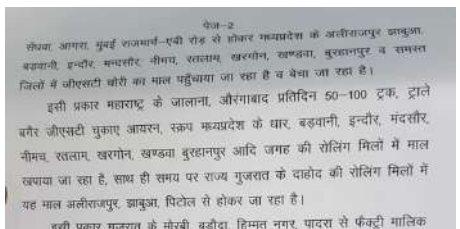

इन लोगों की माफियागिरी के अन्तर्गत हजारों टन आयरन स्क्रैप गुजरात के सूरत, अंकलेश्वर, बड़ोदरा, अहमदाबाद, अलंग, भावनगर, जामनगर, राजकोट इत्यादि जगहों से मध्यप्रदेश के इन्दौर, भोपाल, ग्वालियर, पिथमपुर की रोलिंग मिलों में भेजा जा रहा है। यह सामरा माल व्हाया चांदपुर अलीराजपुर, खण्डवा, बड़ोदरा, दाहोद, अलीराजपुर स्टेट हाईवे से निकलता है। इसी प्रकार गुजरात के जामनगर, दाहोद, बोडेली, अहमदाबाद, बड़ौदा आदि जगहों की रोलिंग मिलों का बगैर जीएसटी चुकाए सरिये, आयरन शीट, एंगल, चद्दर लिये हर महिने 100 से 150 ट्रक ट्राले मध्यप्रदेश के धार, इन्दौर, कुक्षी, अलीराजपुर, खरगोन, खण्डवा, बड़वानी, झाबुआ, बुरहानपुर, पेटलावद, अंजड़, राजगढ़, थांदला, बदनावर में उपरोक्त लिखित माल को पहुँचा रहे है। जीएसटी चोरी का यह समस्त माल अलीराजपुर, चाँदपुर, पिटोल, थांदला, खेतिया, पानसेमल, निवाली, सेंधवा से होकर मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में जा रहा है।

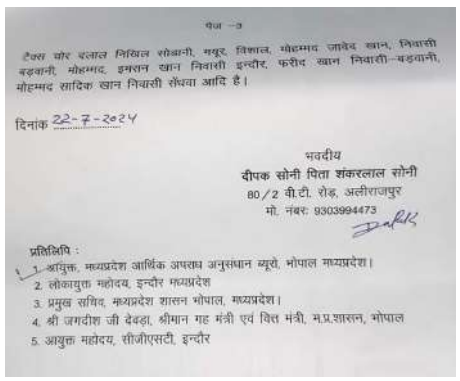

इसी प्रकार महाराष्ट्र के जलाना, औरंगाबाद, धुलिया, पूना, मुंबई, अहमदनगर, मालेगाँव की रोलिंग मिलों से प्रतिदिन 50 से 100 गाड़ीयों या ट्रकों या ट्रालों द्वारा लगभग 3000 हजार से 5000 टन सरिया बगैर टैक्स/जीएसटी चुकाए

निरंतर–

पेज-2

सेंधवा, आगरा, मुंबई राजमार्ग–एबी रोड से होकर मध्यप्रदेश के अलीराजपुर झाबुआ, बड़वानी, इन्दौर, मन्दसौर, नीमच, रतलाम, खरगोन, खण्डवा, बुरहानपुर व समस्त जिलों में जीएसटी चोरी का माल पहुँचाया जा रहा है व बेचा जा रहा है।

इसी प्रकार महाराष्ट्र के जालाना, औरंगाबाद प्रतिदिन 50–100 ट्रक, ट्राले बगैर जीएसटी चुकाए आयरन, स्क्रैप मध्यप्रदेश के धार, बड़वानी, इन्दौर, मंदसौर, नीमच, रतलाम, खरगोन, खण्डवा बुरहानपुर आदि जगह की रोलिंग मिलों में माल खपाया जा रहा है, साथ ही समय पर राज्य गुजरात के दाहोद की रोलिंग मिलों में यह माल अलीराजपुर, झाबुआ, पिटोल से होकर जा रहा है।

इसी प्रकार गुजरात के मोरबी, बड़ौदा, हिम्मत नगर, पादरा से फैक्ट्री मालिक बगैर जीएसटी चुकाए सेनेटरी, आयटम टाईल्स, सीएससी ब्लॉक लेकर प्रति महिने से सैकड़ों 300 से 500 ट्रक व ट्राले अलीराजपुर होकर मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में माल का परिवहन किया जा रहा है व जीएसटी चोरी का माल बेचा जा रहा है।

महोदय, अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि टैक्स चोरी का कारनामा पूर्णतः सरकारी मशनरी टैक्स, दुकानदार विक्रेता फैक्ट्री मालिक, सेल टैक्स व वाणिज्य कर विभाग जीएसटी एंटिइन्वेशन । ऑफिसर्स अतुल श्रीवास्तव, हरिश जैन व एंटि विजन, ठ. ऑफिसर्स सोनाली जैन, शिवनंदन तिवारी व कुश बोहरे व टैक्स चोरी कराने वाले उपरोक्त लिखित दलाल सम्मिलित है, जिनके द्वारा हर वर्ष 2000 करोड़ लगभग टैक्स की चोरी की जा रही है।

टैक्स चोरी करते समय ट्रक, ट्राली को एक पासवर्ड बिन्टी लोगो को दी जाती है, जिसको देखकर कोई भी थाना प्रभारी, राजस्व अधिकारी, सेल्स टैक्स अधिकारी, एंटीविजन सेल्स टैक्स अधिकारी उस पर कोई कार्यवाही नहीं करते है।

निरंतर–

पेज-3

टैक्स चोर दलाल निखिल सोलानी, मयूर विशाल, मोहम्मद जावेद खान, निवासी बड़वानी, मोहम्मद इमरान खान निवासी इन्दौर, फरीद खान निवासी-बड़वानी, मोहम्मद सादिक खान निवासी सेंधवा आदि है।

दिनांक 22-7-2024

भवदीय
दीपक सोनी पिता शंकरलाल सोनी
80/2 बी.टी. रोड, अलीराजपुर
मो. नंबर: 9303994473

प्रतिलिपि :
1. आयुक्त, मध्यप्रदेश आर्थिक अपराध अनुसंधान ब्यूरो, भोपाल मध्यप्रदेश।
2. लोकायुक्त महोदय, इन्दौर मध्यप्रदेश
3. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन भोपाल, मध्यप्रदेश।
4. श्री जगदीश जी देवड़ा, श्रीमान गृह मंत्री एवं वित्त मंत्री, म.प्र.शासन, भोपाल
5. आयुक्त महोदय, सीजीएसटी, इन्दौर

क्योंकि जिसे मुख्यमंत्री बनाया वह पूर्व से ही कुख्यात भू कॉलोनी शराब शिक्षा आबकारी खनन आदि का माफिया है। तो स्वाभाविक है, वह यहां मोटी कमाई करने दिल्ली स्थित आकाओं को महीना पहुंचाने के लिए व्यवस्थाओं को सुधारने की अपेक्षा सभी प्रकार के माफिया को पालकर जो विभिन्न विभागों के नियंत्रण में है से मोटी कमाई करने में ज्यादा विश्वास रखता है। इसलिए उसे हजारों करोड़ के राजस्व की जो जीएसटी, परिवहन, पंजीयन, आबकारी, खनन आदि की चोरी को रोकने खत्म करने से कोई मतलब नहीं। सभी प्रकार के माफियाजो इन विभागों में अपना वर्चस्व रखते हैं।

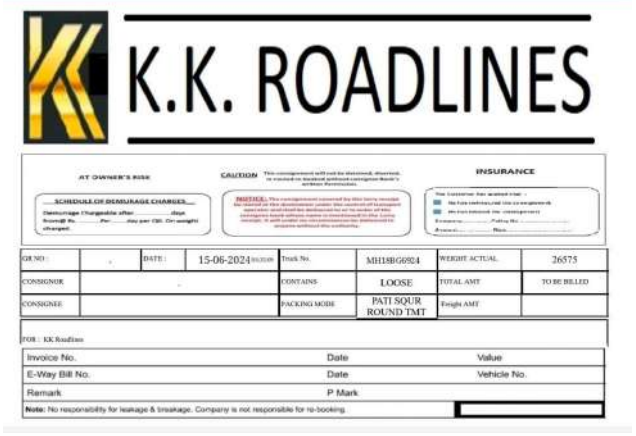

अपनी चोरी भ्रष्टाचार जालसाजी करने के लिए जिलों के थानों के टीआइ से लेकर जिले के पुलिस अधिकारियों राजस्व विभाग के एडीएम एसडीएम कलेक्टर संभागीय अधिकारियों आयुक्त प्रधान सचिव मुख्य सचिवसे लेकर जिलों के विधायकों सांसदों तक को करोड़ों रुपए का महीना बांटकर हर स्तर पर हर प्रकार की राजस्व चोरी करते हैं अकेले प्रदेश व महाराष्ट्र की सीमा पर सेंधवा से प्रतिदिन 1500 से 2000 ट्रक, 700 से 100 बसें गुजरात की सीमा पर पिटोल से 500 से 800 ट्रक 300 से 500 बसें आती जाती है दिन में अधिकांश में कच्ची बिल्टी का माल लाया ले जाया जाता है। गुजरात के गांधीनगर, वलसाड, भावनगर, बडौदा व अन्य शहरों से जलयानों की कटिंग व अन्य प्रकार का एम एस, एलॉय, स्पंज मशीनों वाहनों की कटिंग स्टील के कच्ची बिल बिल्टी के लोहे के ट्रकों की जानकारी जब हमारे संवाददाता ने मध्य प्रदेश वाणिज्य कर के इंदौर के ए और बी एंटी इविजन की टीम के साथ अपर श्रीमती रजनी सिंह, आयुक्त धनराजू प्रधान सचिव अमित राठौर को देनी चाही तो किसी ने भी ना तो फोन उठाया और ना ही जानकारी संदेश के माध्यम से भेजने पर कोई कार्यवाही की गई।जिसमे ट्रक नंबर MP 46 H 7772, यह ट्राला महाराष्ट्र के जालना से सरिया 30 टन भरकर आया है बिना बिल, जीएसटी आलीराजपुर में खाली हो रहा है अभी ट्राला खाली में पांच से छे घंटे लगेंगे साहब जी सेवार्थ सूचना।

MH 18 BG 3725, MH 18 A 6066 दिनांक 30,अगस्त 24 को भेजी चीज पर कोई कार्यवाही नहीं हुई इसके संबंध में माफिया ने जब उनके ट्रांसपोर्टर ने पकड़वा दिए। तो उसे पर जानलेवा हमला कर दिया गया है यह भारी बड़ा सिंडिकेट है। जो इस प्रकार केवल सैकड़ो ट्रक न केवल स्टील शक्कर पर्चून हींग, काली मिर्च, कपड़ा खाद्य सामग्री दवाइयां कृषि उपज फल फ्रूट जिसमें बहुत से जीएसटी के दायरे में भी आते हैं लाई ले जा जाते हैं जालना से डेढ़ सौ ट्रक प्रतिदिन सरिया मध्य प्रदेश में आता है। और जो स्क्रैप मध्य प्रदेश में आ रहा है इंदौर में वह सांवेर रोड की फैक्ट्रीयों के साथ-साथ पीथमपुर की अनंत स्टील लेबड़ की शिवांगी स्टील में भी खपाया जा रहा है। वैसे महाराष्ट्र के जालना, औरंगाबाद, मुंबई, पुणे, नागपुर आदि सभी बड़े शहरों से कॉरपोरेट और फुटकर छोटे कबाड़ियों द्वारा इकट्ठा किया हुआ मध्य प्रदेश के साथ छतीसगढ़ उत्तर प्रदेश की फैक्ट्रियों में भी लाया ले जाया जा रहा है। जो कि पूरा खेल सिंडिकेट के माध्यम से किया जा रहा है रास्ते के थाने जिलों के एसपी कलेक्टर से लेकर मध्य प्रदेश के वाणिज्य कर आयुक्त धनराजू अपर आयुक्त रजनी सिंह प्रधान सचिव अमित राठौर तक पहुंचने के कारण मध्य प्रदेश में कार्यरत 6 एंटीइविजन ब्यूरो को धारा 68, 71 में के ऐसे वाहनों यात्री बसों जो प्रतिदिन करोड़ों रुपए का बिना बिल्टी का लगभग 5000 से ज्यादा बसें सैंकड़ों टन सभी प्रकार का माल पूरे प्रदेश में लाती ले जाती हैं। इसके बारे में पूरी जानकारी और डिवीजन को होने के बाद में भी क्योंकि सिंडिकेट माफिया जैसे की तीन पेपर की कटिंग नीचे लगाई जा रही है लगभग 50 करोड रु. महीने परिवहन माफियाओं द्वारा जो लगभग राजस्व की 500 करोड़ की हानि या चोरी करता है। इसके बारे में रास्ते के सभी सीमावर्ती इलाकों के विधायकों सांसदों को भी सब कुछ मालूम है और उनको भी क्योंकि महीना मिलता है इसलिए वह भी सरकार राजस्व बढ़ाने की अपेक्षा अपना महीना खाकर चुप रह सभी प्रकार के परिवहन कर चोर माफिया को न केवल खुला संरक्षण देते हैं बल्कि आपने देखा किस प्रकार पूर्व के वाणिज्य कर आयुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह को जिन्होंने बिल्डरों पर छापे मारने एंटी इविजन की प्रदेश की 6 टीमों को पावर देकर भारी राजस्व की वसूली की थी। मजबूत बिल्डर लॉबी ने खुली टैक्स चोरी करने और और जनता से जीएसटी वसूल कर लूटने वालों ने मुख्यमंत्री प्रधान सचिव और क्षेत्रीय मंत्री को 50 करोड रु. देकर 3 महीने में ही स्थानांतरण करवा दिया था।

इसके संबंध में बिल ट्रक की फोटो और पूर्व में छपी खबरों को नीचे प्रकाशित किया जा रहा है।

प्रधान सचिव
मध्य प्रदेश वाणिज्य कर विभाग
भोपाल

बिना बिल बिल्टी के लोहे का स्क्रैप गुजरात-महाराष्ट्र से आ रहा है उसके ऊपर मध्य प्रदेश वाणिज्य करके अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं करते।

महोदय,

उक्त प्रेषित जानकारी को मध्यप्रदेश वाणिज्यकर आयुक्त धनराजू को भेजने के साथ श्रीमती रजनी सिंह अपर आयुक्त को भी भेजी गई थी। परंतु कोई ना तो फोन उठाता है। नहीं ऐसी जानकारी पर कोई प्रतिक्रिया देता है इसलिए यह जानकारीआपको ईमेल पर भेज रहा हूं। भेजी गई जानकारी पर यदि आप कार्रवाई करने में असक्षम रहेंगे तो मुझे केंद्रीय कर विभाग के इंदौर से लेकर दिल्ली तक के कार्यालय के साथ सीबीआई मध्य प्रदेश से लेकर दिल्ली तक को भी सूचित करना पड़ेगा।

निवेदक
प्रवीण अजमेरा
समय माया समाचार पत्र
इंदौर

साप्ताहिक समय माया

गणेशोत्सव

भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को भगवान श्रीगणेश का जन्मदिन मनाया जाता है, जिसे गणेश चतुर्थी के नाम से जाना जाता है यानी इसी दिन माता पार्वती के घर उनके छोटे पुत्र गणेश का आगमन हुआ था। इसकी खुशी में मुंबई सहित पूरे देश में नौ दिनों तक गणेशोत्सव का आयोजन होता है इस दौरान भगवान श्रीगणेश के १२ स्वरूपों की पूजा की जाती है, इन दिनों में पूजा करने से भगवान गणेश जल्द पसन्न होते हैं, वहीं भक्तों के सभी विघ्न हर लेते हैं और उनकी इच्छाएं भी पूर्ण करते हैं। सनातन धर्म में गणेशचतुर्थी का पर्व बहुत ही खास और महत्वपूर्ण माना जाता है।

■ जानिए गणेश चतुर्थी का महत्व

भविष्य पुराण के अनुसार शिवा, संज्ञा और सुधा यह तीन चतुर्थी होती हैं, जिसमें भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को संज्ञा कहा जाता है, वहीं ऐसी भी मान्यता है कि इसमें स्नान और उपवास करने से १०१ गुना फल प्राप्त होता है और सौभाग्य की वृद्धि भी होती है, वहीं इसी भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मध्यान्ह में भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसी कारण यह तिथि महक नाम से भी जानी जाती है, इस दिन भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना, उपासना व्रत, कीर्तन और जागरण आदि किया जाता है। भगवान गणेश के जन्म के बारे में शिवपुराण में एक कथा है। उस कथा के अनुसार एक बार मां पार्वती अपने शरीर पर हल्दी और उबटन लगाए हुई थीं। जब उन्होंने अपने शरीर से हल्दी और उबटन को हटाया तो उससे छोटा-सा एक पुतला बनाया। फिर उन्होंने अपने तपोबल से उस पुतले में प्राण डाल दिए। इस तरह से बाल गणेश का जन्म हुआ।

भक्तों के घर पधारेंगे बाप्पा

हरतालिका तीज व्रत पर इस उत्तम मुहूर्त में करें पूजा

भाद्रपद महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर हरितालिका तीज का व्रत रखा जाएगा। 6 सितंबर के दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा करेंगी। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय और संपन्न रहता है। इस साल हरितालिका तीज पर दुर्लभ ग्रह, नक्षत्रों के कई शुभ संयोग भी बन रहे हैं। आइए ज्योतिषाचार्य से जानते हैं हरतालिका तीज पर बने शुभ योग, शुभ मुहूर्त और पूजा की विधि-

हरतालिका तीज पर शुभ योग

पुजारी पंडित अवनीश शर्मा ने बताया कि भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 5 सितंबर दोपहर 12 बजकर 21 मिनट से शुरू हो जाएगी, जो 6 सितंबर दोपहर 03 बजकर 01 मिनट तक रहेगी। इसलिए हरितालिका तीज का निर्जला व्रत 6 सितंबर को रखा जाएगा। बताया कि इस दिन ग्रह, नक्षत्र भी बहुत अच्छी स्थिति में होंगे। 6 सितंबर की सुबह के समय पहले दुर्लभ शुक्ल योग और फिर ब्रह्म योग बन रहा है। साथ ही सुबह 09.25 बजे से 7 सितंबर सुबह 06.02 बजे तक रवि योग और रात 10.15 बजे तक शुक्ल योग रहेगा। बताया की धर्म शास्त्रों में यह अद्भुत और शुभ संयोग माने जाते हैं। इनमें पूजा पाठ करने से कई गुना अधिक पुण्य मिलता है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

ज्योतिष विज्ञान के जानकार पंडित संदीप शर्मा सोनू ने बताया कि हरि तालिका तीज पर सुबह 06.02 बजे से 08.33 बजे तक भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का शुभ समय रहेगा।

हरतालिका तीज पूजा-विधि

पंडित संदीप शर्मा सोनू के अनुसार, सुहागिन महिलाएं चौकी सजाकर उसके ऊपर भगवान शिव व माता पार्वती की मूर्ति रखेंगी। फिर कलश की स्थापना करने के बाद 16 श्रृंगार का सामान, अगरबत्ती, धूप, दीप, शुद्ध घी, पान, कपूर, सुपारी, नारियल, चंदन, फल और फूल के साथ आम, केला, बेल व शमी के पत्ते से पूजा करें। हरतालिका तीज व्रत की कथा का पाठ करेंगी। फिर आरती के बाद श्रद्धा के साथ भोग लगाकर क्षमा-याचना करें। पूजा के बाद विधि विधान से व्रत का पारण करने से मनवांछित फल मिलेगा।'

हरतालिका तीज पर जरूर ट्राइ करें ये मेहंदी डिजाइन, हाथों पर लगेंगे बेहद सुंदर

अगर आप भी इस हरतालिका तीज पर अपने हाथों में मेहंदी लगाने का सोच रही हैं, तो इस लेख में आपको कई ऐसी मेहंदी डिजाइन दी जा रही है, जिसे आप इस तीज पर अपने हाथों में लगा सकती हैं.

चाहे महिला हो या लड़की मेहंदी लगाना हर किसी को बहुत पसंद आता है और आए भी क्यों ना मेहंदी की प्यारी महक और इसका गाढ़ा रंग सबके दिल को बहुत खुश कर देता है. भारत में हर शुभ अवसर, चाहे शादी हो, पूजा-पाठ हो या फिर कोई त्योहार मेहंदी लगाने की प्रथा बहुत पुरानी है, जिसका अनुसरण महिलायें आज भी कर रही हैं. सुहागिन महिलायें किसी विशेष पूजा के अवसर पर अपने हाथों में मेहंदी जरूर लगती है, क्योंकि ये शुभ माना जाता है. इस साल पूरे देश में हरतालिका तीज का त्योहार 6 सितंबर को मनाया जाएगा और इस पूजा में भी महिलायें अपने हाथों को सुंदर मेहंदी डिजाइन से जरूर सजायेंगी. अगर आप भी इस हरतालिका तीज पर अपने हाथों में मेहंदी लगाने का सोच रही हैं, तो इस लेख में आपको कई ऐसी मेहंदी डिजाइन दी जा रही है, जिसे आप इस तीज पर अपने हाथों में लगा सकती हैं.

फुल हैन्ड मेहंदी

अगर आपको मेहंदी लगाना बहुत पसंद है और आपको अपने हाथ मेहंदी डिजाइन से भरे हुए अच्छे लगते हैं तो इस हरतालिका तीज पर

आप अपने हाथों में फुल हैन्ड मेहंदी लगा सकती हैं. इस प्रकार की मेहंदी हाथों को रॉयल लुक देती हैं और तीज जैसे त्योहारों पर महिलाएं इस प्रकार की मेहंदी डिजाइन को खूब पसंद करती हैं.

बोलें ये गणेश मंत्र
देते हैं सफलता

प्रणवादि सबीज गणपति मंत्र – ॐ गं गणपतये नमः। भगवान गणेश की उपासना का यह छः अक्षरों वाला मंत्र ॐ की ध्वनि के साथ धन और भौतिक सुख-सुविधाओं की कामना पूरी करने की नजरिए से बहुत ही असरदार माना जाता है। साथ ही यह मंत्र एक रक्षाकवच बनकर आपको अनचाही मुसीबतों और संकटों से रक्षा करता है।
अगर आप संस्कृत भाषा की गहरी समझ न रखते हों तो यहां बताए जा रहे हैं कुछ और सरल मंत्र भी हैं, जिनके जरिए भगवान गणेश का ध्यान कर आप सुख-सफलता की इच्छा पूरी कर सकते हैं – **(1) ॐ (2) ॐ गं ॐ (3) ॐ श्री गणेशाय नमः।**

पूजन

जय गणेश.. जय गणेश देवा.....

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है, और जो भी संसार के साधन हैं, उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। गणेशजी का नाम हिन्दू शास्त्रों के अनुसार किसी भी कार्य के लिये पहले पूज्य है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते हैं। गणेश की उपसना करने वाला सम्प्रदाय गाणपतय कहलाता है।

गणेशजी के अनेक नाम हैं लेकिन ये 12 नाम प्रमुख हैं

सुमुख, एकदंत,कपिल, गजकर्णक, लंबोदर, विकट, विघ्न-नाश, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। उप्रोक्त बारह नाम नारद पुराण में पहली बार गणेश के बारह नामावली में आया है विद्यारम्भ तथा विवाह के पूजन के प्रथम में इन नामों से गणपति की आराधना का विधान है

पिता	भगवान शिव
माता	भगवती पार्वती
भाई	श्री कार्तिकेय
बहन	अशोक सुन्दरी
पत्नी	दो 1.रिद्धि 2. सिद्धि
पुत्र	दो 1. शुभ 2. लाभ
प्रिय भोग (मिष्ठान)	मोदक, लड्डू
प्रिय पुष्प	लाल रंग के
प्रिय वस्तु	दूर्वा (दूब) शमी-पत्र
अधिपति	जल तत्व के
प्रमुख अस्त्र	पाश, अंकुश
वाहन	मूषक

ज्योतिषशास्त्र में गणेशजी की भूमिका

विद्यार्थी लभते विद्याम
धनार्थी लभते धनं
पुत्रार्थी लभते पुत्रं
मोक्षार्थी लभते गतिम
अर्थात ये वो हैं जो, विद्यार्थी की विद्या,
धनार्थी को धन,
पुत्रार्थी को पुत्र
और मोक्षार्थी को मोक्ष देते हैं।
नारदमुनि ने भगवान श्रीगणेश की स्तुति करते हुए यह बात कही थी।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि भगवान गणेश हिंदू मंदिरों के सबसे पूजनीय और संतुष्टि दायक देवता हैं। विघ्नहर्ता गणेशजी की पूजा और आशीर्वाद के किए बिना कोई भी नया काम जैसे नए घर का निर्माण, पुस्तक लेखन, यात्रा की शुरुआत या नया व्यापार शुरू नहीं किया जाता है।

बुद्धि और विवेक के भगवान के रूप में भी जाने जाते हैं जिसका उदाहरण उनकी दो पत्नियां ऋद्धि और सिद्धि हैं। उनका शास्त्रों का ज्ञान प्रसिद्ध है। महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास जब महाभारत लिखने के लिए योग्य पुरुष ढूंढ़ रहे थे जो उनके विचारों को शुद्ध उच्चारण के साथ कलमबद्ध कर सके, तब उन्हें गणेशजी का ध्यान आया और इस तरह दुनिया का सबसे बड़ा महाकाव्य अस्तित्व में आया। गणेशजी की उत्पत्ति बहुत रोमांटिक है। कहानी यह है कि भगवान शिव और माता पार्वती कैलाश पर्वत पर बहुत सुखद जीवन का जीवन जी रहे थे। बस एक अड़चन यह थी कि शिवजी अक्सर पार्वतीजी को अकेले छोड़कर ध्यान लगाने के लिए गायब हो जाते थे। उन्होंने भगवान विष्णु से प्रार्थना की कि उन्हें वरदान दें, भगवान ने खुशी से दे दिया। गणेशजी एक बहुत ही सुंदर बच्चे थे और सभी देवता उन्हें आशीर्वाद देने आए। लेकिन उनके मामा शनिदेव न आ सके क्योंकि उन्हें श्राप था कि वो जिसे भी देखेंगे उसका सर कट जाएगा।

> ज्योतिष जीवन के लिए एक आईना है और गणेशजी स्वयं जीवन हैं। नश्वर प्राणियों को अज्ञात डर रहता है। गणेशजी ज्योतिष के माध्यम से, अंधेरे में एक प्रकाशपुंज के रूप में कार्य करते हैं और हमारा रास्ता प्रकाशित करते हैं। इसलिए गणेशजी सर्वोच्च हैं, जिनकी ग्रहों से निपटने की निपुणता अस्तित्व के रहस्यों को जानने के लिए ज्योतिषों के मार्फत उपयोग में लाई जा रही है।

जब पार्वती जी ने बहुत जोर देकर कहा तो जैसे ही उन्होंने गणेशजी की ओर देखा वे भयभीत हो गए क्योंकि गणेशजी का सर, धड़ से अलग हो गया था। भगवान विष्णु ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया और कैलाश पर्वत पर उन्हें एक हाथी दिख गया। उन्होंने तुरंत उसका सर काटकर गणेशजी के सर पर लगा दिया। यह सब देखकर पार्वतीजी निराश हो गईं। शिवजी ने उनका दुःख कम करने के लिए गणेशजी को वरदान दिया कि वे सभी देवों में प्रथम पूज्य होंगे। उसके बाद से गणेशजी विनायक (ज्ञानी) और विघ्नेश्वर (बाधा दूर करने वाले) के रूप में पूजे जाते हैं। जो उनके आगे ध्यान लगाते हैं वे उन्हें आशीर्वाद देते हैं।

धर्म स्थल

खजराना गणेश मंदिर

खजराना स्थित गणेश मंदिर काफी प्रचलित धार्मिक स्थल है। यहां दूर-दूर से अपनी आस्था के अनुसार लोग दर्शन करने आते हैं और मन्नतें मांगते हैं। मां अहित्याबाई के शसनकाल में बना यह मंदिर गणेश भक्तों में काफी लोकप्रिय है। इंदौर में यह दूसरा गणेश मंदिर है जहां ऐसा माना जाता है कि अगर कोई भक्त मन्नत मांगे तो वह पूरी होती है। वैसे तो खजराना मंदिर में हर रोज पूजा आरती होती है लेकिन बुधवार के दिन विशेष पूजा अर्चना की जाती है जिसमें सैकड़ों भक्त शामिल होकर गजानन का

आशीर्वाद लेते हैं। मंदिर का परिसर काफी भव्य और मनोहारी है, परिसर में मुख्य मंदिर के अतिरिक्त अन्य 33 छोटे-बड़े मंदिर और हैं। मुख्य मंदिर में गणेशजी की प्राचीन मूर्ति है इसके साथ-साथ शिव और दुर्गा मां की मूर्ति है। इन 33 मंदिरों में अनेक देवी देवताओं का निवास है। मंदिर परिसर में ही पीपल का एक प्राचीन वृक्ष है इसे भी मनोकामना पूर्ण करने वाला माना जाता है नया वाहन, दुकान या मकान की खरीदी-बिक्री का सौदा हो, घर में विवाह, जन्मदिन कोई भी शुभ कार्य क्यों न हो, भक्त सबसे पहले यहां आकर सिंदूर का तिलक करना नहीं भूलते। शहर में होने वाले सभी धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों का श्री खजराना गणेश को न्योता दिए बिना अधूरा माना जाता है।

प्रवचन

गणेश चतुर्थी की शाम चांद को देखने से लगेगा कलंक

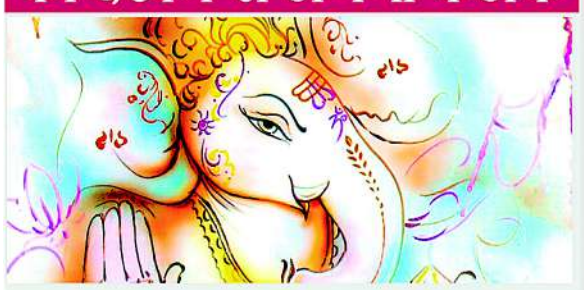

चांद की खूबसूरती हर किसी को आकर्षित करती है लेकिन यह आकर्षण आपको महंगा पड़ सकता है। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी यानि गणेश चतुर्थी के दिन अगर आपने चांद का दीदार किया तो आप पर झूठा कलंक लग सकता है। शास्त्रों के अनुसार गणेश चतुर्थी के दिन भगवान श्री कृष्ण ने अनजाने में चांद को देख लिया था। इसका परिणाम यह हुआ कि इन पर एक व्यक्ति की हत्या का आरोप लगा। भगवान श्री कृष्ण को इस आरोप से मुक्ति पाने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। नारद जी से जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपने ऊपर लगे झूठे आरोपों का कारण पूछा तब नारद जी ने श्री कृष्ण भगवान से कहा कि यह आरोप भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन चांद को देखने के कारण लगा है। इस चतुर्थी के दिन चांद को देखने से कलंक लगने की वजह नारद जी ने यह बताई की, इस दिन गणेश जी ने चन्द्रमा को शाप दिया था। इस संदर्भ में कथा है कि चन्द्रमा को अपने रूप का बहुत अभिमान था। गणेश चतुर्थी के दिन गणेश जी के गजमुख एवं लंबोदर रूप को देखकर चन्द्रमा ने हंस दिया। गणेश जी इससे नाराज हो गये और चन्द्रमा को शाप दिया कि आज से जो भी तुम्हें देखेगा उसे झूठा कलंक लगेगा। गणेश जी के शाप से चन्द्रमा दुःखी हो गये और घर में छुप कर बैठ गये।

चन्द्रमा की दुःखद स्थिति को देखकर देवताओं ने चन्द्रमा को सलाह दी कि मोदक एवं पकवानों से गणेश जी की पूजा करो। गणेश जी के प्रसन्न होने से शाप से मुक्ति मिलेगी। चन्द्रमा ने गणेश जी की पूजा की और उन्हें प्रसन्न किया। गणेश जी ने कहा कि शाप पूरी तरह समाप्त नहीं होगा ताकि अपनी गलती चन्द्रमा को याद रहे। दुनिया को भी यह ज्ञान मिले की किसी के रूप रंग को देखकर हंसी नही उड़ानी चाहिए। इसलिए अब से केवल भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन जो भी चन्द्रमा को देखेगा उसे झूठा कलंक लगेगा।

गणेश चतुर्थी 2024 तारीख और मुहूर्त

इस साल शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 6 सितंबर की दोपहर 3 बजकर 1 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 7 सितंबर की शाम 5 बजकर 37 मिनट पर होगा. वहीं उदया तिथि के अनुसार गणेश चतुर्थी 7 सितंबर शनिवार को मनाई जाएगी.

साप्ताहिक समय माया

'आईडीए द्वारा अहिल्या पथ स्कीम का सच छिपाने की कोशिश में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा सामने आया'

'अहिल्या पथ स्कीम में कुल 1400 हेक्टेयर भूमि में से भ्रष्टाचारियों एंव भू माफियाओं ने मिलकर 300 हेक्टेयर से ज्यादा स्कीम में प्रभावित ज़मीनों पर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से नक्क्षे 1 जनवरी 2023 से 20 अगस्त 2024 के मध्य स्वीकृत करायें'

इंदौर, अहिल्या पथ में भू माफियाओं एंव दलालों सहित पूर्व आईडीए अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, सीईओ राम प्रसाद अहिरवार, मयंक जगवानी एंव t&cp डिप्टी डायरेक्टर के.एस.गवली के भ्रष्टाचार का षड्यंत्र रचकर सिंडिकेट बनाकर वर्ष 1 जनवरी 2023 से 20 अगस्त 2024 के मध्य अहिल्या पथ स्कीम से प्रभावित गाँवों में 300 हेक्टर से ज़्यादा ज़मीन के नक्क्षे टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से स्वीकृत कराकर करोड़ों का भ्रष्टाचार किया हैं।

कांग्रेस महासचिव राकेश सिंह यादव के अनुसार अहिल्या पथ योजना का भ्रष्टाचार देखिए कुल योजना 1400 हेक्टेयर की है।लेकिन अहिल्या पथ स्कीम में आईडीए और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग में पदस्थ भ्रष्ट अधिकारियों ने 300 हेक्टेयर से ज़्यादा के नक़्शे योजना में शामिल गाँवों के स्वीकृत करके अहिल्या पथ योजना का बंटाधार करके आईडीए और म.प्र.सरकार को 1000 करोड़ से ज़्यादा का नुक़सान पहुँचाया हैं।

300 हेक्टेयर से ज़्यादा के नक्क्षे बडा बागड़दा में 35 नक्क्षे लगभग 125 हेक्टेयर में स्वीकृत किए गये। इसी तरह नैनौद में 16 नक्क्षे 50 हेक्टेयर, बरदरी में 9 नक्क्षे 15 हेक्टेयर, लिम्बोदागिरी में 5 नक्क्षे 9 हेक्टेयर, पालाखेड़ी में 7 नक्क्षे 18 हेक्टेयर,बुधानिया में 5 नक्क्षे 16 हेक्टेयर कुल मिलाकर लगभग 240 हेक्टेयर से 300 हेक्टेयर में अहिल्या पथ स्कीम से प्रभावित भूमि पर साज़िश रचकर नक्क्षे ताबड़तोड़ स्वीकृत करायें हैं। अनेक स्कीम में स्वीकृत नक़्शों को ऑनलाइन नहीं किया गया हैं।

अहिल्या पथ में एलाटमेंट परिवर्तित करने का ज़बरदस्त खेल सीईओ अहिरवार एंव मयंक जगवानी ने खेला हैं। पूर्व में निर्धारित अलायमेंट ले आउट और वर्तमान ले आउट में जमीन आसमान का फ़र्क़ हैं।अनेक ज़मीन मालिकों से अहिल्या पथ अलायमेंट बदलकर स्कीम की बाउंड्री परिवर्तित करके करोड़ों का भ्रष्टाचार स्कीम से ज़मीन बाहर करने में किया गया है।

अहिल्या पथ स्कीम भ्रष्टाचार में अहिरवार लगातार झूठ बोलकर भ्रष्टाचार छिपाने का असफल प्रयास कर रहा हैं।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग द्वारा स्वीकृत ले आउट प्लान की सूची एंव अहिल्या पथ एंव स्कीम का अलायमेंट के दो नक्क्षे भ्रष्टाचार को साबित करने के लिए जारी किए गये हैं।

रिजलाय एंव रेवती में अभी एक भी नक्क्षा स्वीकृत नहीं किया गया हैं। इन दो गाँवों में लैंडयूज परिवर्तन का बड़ा षड्यंत्र अहिरवार ने किया हैं। कृषि,ग्रीन बेल्ट लैंड यूज़ होने की वजह से नक्क्षे स्वीकृत नहीं हुए।लेकिन आईडीए की स्कीम लगते ही लैंड यूज आवासीय और वाणिज्यिक में परिवर्तन होने के साथ ही ज़मीन सोना उगलना शुरू कर देगी। अनेक भूमाफ़ियों एंव भोपाल के एक बड़े अधिकारी ने सैकड़ों एकड़ ज़मीन इन गाँवों में ताबड़तोड़ पिछले एक साल में ख़रीदी हैं।रजिस्ट्रर के ऑकड़े सारी कहानी बयां कर रहें हैं। स्कीम लगने के बाद आईडीए ज़मीन मालिक को नियमानुसार पचास प्रतिशत विकसित भूखंड देगा।

कांग्रेस महासचिव ने मुख्यमंत्री से अहिल्या पथ स्कीम भ्रष्टाचार कांड एंव सरकार तथा आईडीए की 1000 करोड़ की राजस्व हानि को रोकने हेतु में निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर कार्यवाही एंव निर्णय करने की मॉंग की हैं:-

(1) अहिल्या पथ स्कीम भ्रष्टाचार कांड में आईडीए सीईओ राम प्रसाद अहिरवार, मंयक जुगवानी एंव टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के डिप्टी डायरेक्टर के.एस.गवली को तत्काल पदों के हटाया जाना चाहिए। जयपाल सिंह चावडा एंव अहिरवार ने क्रमशः पालाखेड़ी एंव लिम्बोदागारी में कंपनियों एंव अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर स्कीम की ज़मीन ख़रीद कर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से स्वीकृत करायें है। इस आरोप की उच्चस्तरीय जॉच कराने पर तथ्य सामने आ जायेगें।

(2) दिनांक 1 जनवरी 2023 से 20 अगस्त 2024 तक अहिल्या पथ स्कीम में आने वाले समस्त गाँवों में स्वीकृत नक्क्षे तत्काल प्रभाव से निरस्त करना चाहिए।

(3) अहिल्या पथ स्कीम में शामिल समस्त खसरों के नम्बर तत्काल फ़्रीज़ करके सार्वजनिक करना चाहिए। जिससे की अलायमेंट के खेल से होने वाला भ्रष्टाचार रोका जा सकें।

(4) आईडीए सीईओ अहिरवार झूठे बयान देकर भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश कर रहा हैं। जबकि सारे तथ्य सामने आ गये हैं। जनवरी 2023 से अगस्त 2024 तक अहिल्या पथ स्कीम में शामिल गाँवों में स्वीकृत नक्क्षों की एक एक कॉपी आईडीए सीईओ के पास प्रतिलिपि के तौर पर पहुँची लेकिन अहिरवार ने एक भी नक्क्षे पर आपत्ति नहीं लेकर स्कीम का बंटाधार कराने में कसर नहीं छोड़ी।

(5)आज दिनांक को अहिल्या पथ स्कीम में शामिल गाँवों की भूमि लगभग पूर्णतः निर्माण रहित खाली हैं। सरकार जियो टेंपिंग कराकर स्कीम क्षेत्र को चिंहित करें जिससे की अवैध निर्माण या षड्यंत्र न हो सकें। खाली ज़मीनों की विडियोग्राफ़ी एंव वर्तमान गुगल मेप का भी सत्यापन करके जारी करना चाहिए।

(6) रिजलाय एंव रेवती में मास्टर प्लान में भू उपयोग कृषि एंव ग्रीन बेल्ट होने की वजह से सरकार को आईडीए स्कीम में इन दोनों गाँवों में लैंड यूज कृषि और ग्रीन बैल्ट को फ़्रीज़ करके भूमाफ़ियों को सबक़ सीखाना चाहिए।इन दोनों गाँवों में अहिल्या पथ स्कीम में

खुलासा

कांग्रेस महासचिव राकेश सिंह यादव ने लगाया आरोप

अहिल्या पथ की स्कीम में करोड़ों रुपए का किया गया भ्रष्टाचार

लैंड यूज परिवर्तित नहीं कराना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव राकेश सिंह यादव ने मुख्यमंत्री से निवेदन हैं की अहिल्या पथ स्कीम में भ्रष्टाचार करने वाले सीईओ राम प्रसाद अहिरवार, मयंक जगवानी एंव टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के डिप्टी डायरेक्टर के.एस.गवली को तत्काल निलंबित करके संपूर्ण मामले की निष्पक्ष जॉच के लिए आदेश देना चाहिए।इस संदर्भ में लोकायुक्त एंव आर्थिक अपराध शाखा को सबूतों सहित शिकायत की गई हैं।

आईडीए एंव टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की मिली भगत से पास 77 से ज़्यादा नक्क्षों को मोहन सरकार द्वारा तत्काल प्रभाव से निरस्त करके म.प्र. सरकार एंव आईडीए को 1000 करोड़ से ज़्यादा की होने वाली राजस्व हानि से बचाना चाहिए।

न्यायालयीन व्यवस्था सत्ताधीशों व पूंजीपतियों के गुलाम...

पेज 1 का शेष

सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार के खेल पर टूटा इन धाकड़ जस्टिसों के सब्र का बांध, कोर्ट में हुआ गजब

justice maheshwari takes tough on supreme court registrar secretary general atul kuherkar, registry is not listing case as per the judge direction, justice maheshwari justice abhay s kal, justice dipankar dutta asks registry

कोर्ट में करोड़ों के खेल का फूटा भंडा, रजिस्ट्रार गया जेल, सुप्रीम कोर्ट ने भी रजिस्ट्री में हड़कंप...

Supreme court warns registry to list case deligately , hariyana highcourt registrar gets 5 years in judge exam case, haryana judge recruitment latest news, judge vacancy, delhi rouse avaneue court order in judge exam vacancy case,

CBI को सुप्रीम कोर्ट से जोर का झटका, दिल्ली कोर्ट का भी आदेश रद्द, फूट गया भंडा, केजरीवाल केस में तो यही...

Cbi went on fishing and roving inquiry supreme court quashes charges against karnataka coal company cbi?

केजरीवाल केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले ही CBI का नया बखेड़ा, LG & दिल्ली कोर्ट..

delhi LG saksena orders prosecute kejriwal cbi grants approval by rouse avenue court delhi judge kaveri baweja.

CM केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए LG ने दी मंजूरी, CBI ने राउज एवेन्यू कोर्ट में बताया शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और सीबीआई को जवाब देने के लिए एक हफ्ते का समय दिया।

supreme court extends date in kejriwal cbi case by 5th september.

केजरीवाल केस में जमानत की मांग देखते ही जस्टिस कांत ने कर दिया गजब, सिंघवी ने भी...

The Supreme Court today refused interim bail to Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal in a corruption case linked to the national capital's now scrapped liquor policy. The court sought the CBI's reply on the Aam Aadmi Party leader's bail plea and posted the matter for August 23.

जस्टिस नीना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल, ED से मिलकर सिंघवी ने पूरी फ़ाइल...

BREAKING? Delhi Chief Minister Arvind Kejriwal moves Supreme Court? against Delhi High court justice neena bansal krishna order refusing to quash his arrest by the Central Bureau of Investigation (CBI) in connection with the Delhi Excise Policy case

सिसोदिया केस में कोर्टरूम में खूंटा गाड़ बैठ गए जस्टिस गवई, सिंघवी की बहस से हिल गए ASG राजू अब...

Supreme Court? to hear former Delhi Deputy Chief Minister Manish Sisodia's bail plea in the money laundering and corruption cases booked against him in the liquor policy case.

The bench of Justices BR Gavai and KV Viswanathan hears the plea.

केजरीवाल केस में जस्टिस नीना ने क्यों नहीं दिया फैसला? खुल गया खेल, CBI का फूटा भांडा

arvind kejriwal vs cbi case, cbi files chargsheet on kejriwal , cbi chargesheet without supporting documents kejriwal case, justice neena bansal krishna reserves order in kejriwal cbi case latest update,

केजरीवाल केस में ऍंठ वकील को सुनती रहीं जस्टिस नीना, abhishek singhvi सिंघवी ने भड़कते हुए बहस कर दी खत्म,फिर..

delhi high court reserved order again in kejriwal cbi case, kejriwal court update latest today,

केजरीवाल केस में ट्रायल कोर्ट ना-ना करता रहा, इधर हाईकोर्ट से आ गया फैसला,जस्टिस नीना ने..

delhi high court justice neena bansal krishna allows arvind kejriwal to meeting with lawyers , delhi rouse avenue court sends arvind kejriwal manish sisodia and k kavita in judicial 31 july, 8 august, delhi highcourt justice neena bansal hears ed plea on kejriwal case, abhishek manu singhvi seeks time to reply , supreme court issues notice to cbi ed on manish sisodia bail application in ed cbi delhi policy case, highcourt update, kejriwal update, sisodia bail news, supreme court today,

कोर्ट रूम में ED ने खड़ा किया तमाशा भड़के केजरीवाल के वकील ने रगड़ा- थोड़ी सांसे बचा के रखो मि. राजू

कनाडा से 70000 छात्रों को वापस लौटना पड़ेगा देश...

35 हजार से अधिक भारतीय छात्रों पर डिपोर्टेशन का खतरा

कनाडा की ट्रूडो सरकार की मनमानी माइग्रेशन नीतियों के कारण हजारों अंतरराष्ट्रीय छात्र संकट में आ गए हैं। हाल ही में लागू की गई नीतियों से 35,000 से अधिक भारतीय छात्रों पर डिपोर्टेशन का खतरा मंडरा रहा है। ये छात्र, जो कनाडा में उच्च शिक्षा और बेहतर...

कनाडा की ट्रूडो सरकार की मनमानी माइग्रेशन नीतियों के कारण हजारों अंतरराष्ट्रीय छात्र संकट में आ गए हैं। हाल ही में लागू की गई नीतियों से 35,000 से अधिक भारतीय छात्रों पर डिपोर्टेशन का खतरा मंडरा रहा है। ये छात्र, जो कनाडा में उच्च शिक्षा और बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर आए थे, अब नई पाबंदियों के चलते वर्क परमिट और स्थायी निवास के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे।

सरकार की स्टडी परमिट और परमानेंट रेजिडेंसी नॉमिनेशन की संख्या सीमित करने के फैसले ने इन छात्रों के सपनों पर पानी फेर दिया है। इसके अलावा, अस्थायी श्रमिकों की संख्या में विदेशी कामगारों की हिस्सेदारी कम करने के निर्णय ने छात्रों के लिए स्थिति और गंभीर बना दी है।

कनाडा के विभिन्न प्रांतों में इस फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन ट्रूडो सरकार की कड़ी नीतियों ने हजारों छात्रों को अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिया है।

कनाडा में 70,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय स्नातक छात्रों पर निर्वासन का खतरा मंडरा रहा है। Study के साथ नए जीवन की उम्मीद लेकर कनाडा पहुंचे ये छात्र अब प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार की नीतियों के शिकार बन रहे हैं। हाल ही में, ट्रूडो सरकार ने स्टडी परमिट और 'परमानेंट रेजिडेंसी नॉमिनेशन' की संख्या को सीमित कर दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर बड़ा असर पड़ा है। सरकार ने मंगलवार को अस्थायी श्रमिकों की संख्या में भी विदेशी कामगारों की हिस्सेदारी को कम करने का फैसला लिया। इसके परिणामस्वरूप, इस वर्ष के अंत में अपनी पढ़ाई पूरी करने वाले करीब 70,000 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को, जिनमें से 50% से अधिक भारतीय हैं, कनाडा छोड़कर अपने देश लौटना पड़ सकता है। यह फैसला उनके स्टडी परमिट के समाप्त होने के बाद लागू होगा। इन छात्रों को अब स्टडी के साथ वर्क परमिट और स्थायी निवास के लिए आवेदन करने का मौका नहीं मिलेगा।

इन निर्णयों के खिलाफ कनाडा के विभिन्न प्रांतों, जैसे प्रिंस एडवर्ड आइलैंड, ओंटारियो, मैनिटोबा, और ब्रिटिश कोलंबिया में छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने सड़कों पर कैंप लगाए हैं और रैलियां निकाली हैं।

पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट बंद: कनाडा के प्रवासी मंत्री मार्क मिलर ने घोषणा की है कि 21 जून के बाद से विदेशी नागरिक पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट (PGWP) के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। इस निर्णय से उन छात्रों पर गहरा असर पड़ेगा, जो अस्थायी निवास के लिए कनाडा में कार्य या अध्ययन परमिट के जरिए प्रवेश करना चाहते थे।

परमानेंट रेजिडेंसी नॉमिनेशन में कटौती: प्रांत स्तर पर अपनाई गई नई प्रवासी नीतियों के तहत स्थायी निवास नॉमिनेशन में 25% की कटौती की गई है। इससे कई छात्रों को भारी एजुकेशन लोन के साथ वापस स्वदेश लौटने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। भारत से कई छात्र भारी कर्ज लेकर कनाडा में पढ़ाई और काम करने आते हैं, और ये नीतियां उनके भविष्य को अनिश्चित बना रही हैं।

ऑस्ट्रेलिया में भी विदेशी छात्रों की संख्या में कमी: कनाडा के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने भी विदेशी छात्रों की संख्या को सीमित करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ने घोषणा की कि वह 2025 तक अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन को 270,000 तक सीमित रखेगा। यह फैसला रिकॉर्ड माइग्रेशन के कारण प्रॉपर्टी किराए में बढ़ोतरी की समस्या को देखते हुए लिया गया है। पिछले वर्ष, ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या 548,800 हो गई थी, जो कि एक रिकॉर्ड संख्या है।

विश्व में अमेरिकी सोशल साइट्स का जनता को बर्बाद करने का षड्यंत्र

पेज 1 का शेष

'इसके मूल में, एनग्रोक लाखों डेवलपर्स को इंटरनेट से किसी भी चीज़ को आसानी से और सुरक्षित रूप से कनेक्ट करने की अनुमति देता है। दुर्भाग्य से, बुरे अभिनेताओं ने इस क्षमता का उपयोग स्पैमिंग, स्पूफिंग और फ़िशिंग हमलों को लॉन्च करने के लिए किया है, जिन्हें हम संदिग्ध गतिविधियों, मानव मॉडरेशन और बाहरी रिपोर्टिंग के स्वचालित पता लगाने के संयोजन वाले बहुआयामी दृष्टिकोण का उपयोग करके पहचानते हैं और रोकते हैं,' श्रेव ने कहा। मेटा ने मुकदमे में आरोप लगाया कि प्रतिवादियों ने सोशल नेटवर्क की सेवा की शर्तों, कैलिफ़ोर्निया के एंटी-फ़िशिंग अधिनियम और एक संघीय कानून का उल्लंघन किया है जो ट्रेडमार्क उल्लंघन को प्रतिबंधित करता है। मुकदमा यह नहीं बताता है कि कितने लोगों को उनकी व्यक्तिगत जानकारी सौंपने के लिए धोखा दिया गया था।

लगभग नौ महीने पहले मैं एक स्टोरी के लिए रिसर्च कर रहा था. मैंने पाया कि मुझे एक ऐसे टेलीग्राम चैनल से जोड़ दिया गया है जिसका पूरा ज़ोर ड्रग्स बेचने पर था.

इसके बाद मुझे एक और चैनल से जोड़ दिया गया जो हैकिंग से जुड़ा था. फिर एक और चैनल से मुझे जोड़ा गया, जिसका वास्ता सिर्फ चोरी हुए क्रेडिट कार्ड से था.

आखरि ऐसा क्यों हो रहा था? थोड़ा ध्यान देने पर मैंने पाया कि ये सब मेरी टेलीग्राम सेटिंग्स की वजह से हो रहा था. मेरी सेटिंग्स की वजह से ही लोग मेरे कुछ किए बगैर ही मुझे अपने चैनल से जोड़ पा रहे थे.

इसके बावजूद मैंने अपनी सेटिंग्स नहीं बदली. मैं देखना चाहता था कि आगे क्या होने वाला है. इसके बाद कुछ ही महीनों में मुझे अलग-अलग 82 ग्रुप्स से जोड़ दिया गया.

पेट्रोल पंप पर 80% कर, इथेनाल, नापने, मिलावट से भी होती है लूट

पेज 8 का शेष

यही हाल हाल नाप तोल निरीक्षकों का भी होता है। उन्हें भी अपने जिले के आवंटित क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों पर जाकर इलेक्ट्रिक नापतोल मशीनों की जांच करनी चाहिए जिसके लिए पूरे मध्य प्रदेश में जांच करने की इलेक्ट्रॉनिक मशीन खरीदी गई थीदिन का प्रशिक्षण न देने के कारण वह मशीन खराब हो गई और उस कारण से इलेक्ट्रानिक मशीनों की पेट्रोल डीजल गैस कम नापने की शिकायत पर कार्रवाई करने के कोई साधन न होने के कारण केवल कब्ज खाना पुती कर ये भी 10 से रु.20000 महीने के पंप मालिकों के रखेले होते हैं।

जबकि राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल डीजलकी बिक्री करते समय इलेक्ट्रॉनिक मीटर में छेड़छाड़ करके चोरी की घटनाएं बहुत सामान्य सी बात है। एबी रोड के रसोमा चौराहे के पास रघुनाथ पेट्रोल पंप पर जब पेट्रोल भरवाया गया तो उसका मीटर जंप करके सीधा शुरू करते ही 54-55 पर पहुंच गया। यही हाल साया जी के सामने वाले पेट्रोल पंप कभी है और बातचीत करने पर वर्तमान में अधिकांश पंपों पर लड़कियां नौकरी करती हैं उनसे पूछताछ करने परवहां का स्टाफ लड़ने झगड़ने खड़ा हो जाता है। जिसकी खबरें भी आज में अखबारों में छपती रहती हैं।

पिछले 20 सालों से मैं लगातार लिख रहा हूं की पेट्रोल पंप केनोज से जहां प्लास्टिक और धातु का पाइप जोड़ता है वहां पर कांच के क्षेत्र पाइप उपयोग क्यों नहीं किए जाते बेशक कई जगह उसकी ऐसी पाई उपयोग किया जा रहे हैं जिसमें पेट्रोल की क्वालिटी और मात्रा देते समय दिखती है। बेशक वह आवाज उठाने के बाद सन 200 6-7 के बाद कुछ पेट्रोल पंपों में पन्नू गुर्जर से लगभग एक से डेढ़ फीट ऊपर पाइप के कोने पर ही कांच के क्षेत्र पाइपों का उपयोग शुरू किया गया पर वह अभी भी वर्तमान मेंन केवल इंदौर पूरे प्रदेश और देश भर के पेट्रोल पंप के पाइप लाइन में नहीं लगाए गए हैं जिसे तत्काल लगाया जाना चाहिए। ताकि पेट्रोल पर 90% टैक्स देने के बाद उपभोक्ता को कम से कम पेट्रोल की गुणवत्ता तो देखने में आए।

गैस पंप पर गैस जो लीटर से नापी जा रही है यह पूरी तरीके से अवैध और जनता को ठगने वाली है। इसमें उपभोक्ता को मंत्रभुगतान की गई कीमत का 60% गैस ही मिलती है क्योंकि लीटर से नापने पर उसमें 30 से 40% तक वायुमंडल की वायु भर दी जाती है। इस मामले को भी मैं पिछले 20 सालों से लगातार उठा रहा हूं किगैस भरने से पहले वहां का भजन किया जाए और गैस को किलो में नाप करदिया जाना चाहिए उसके बाद उसका वजन लेकर भुगतान किया जाना चाहिए इसके बारे में भी नापतोल निरीक्षक को नहीं बताया था कि पूरे मध्य प्रदेश में पिछले 20 सालों से लगातार वाहनों में गैस भरवाने के काम मेंजनता के साथ खुले में 40% तक लूट की जा रही है। आखिर सरकार कब इस पर ध्यान देकर गैस को लीटर की अपेक्षा किलो में बेचने की बात करेगी और पेट्रोल पंप को इस प्रकार से निर्देशित कर पेट्रोल पंपों पर नीचे ही तोल कांटा लगाकर गैस किलो में दी जाएगी।

क्या आपको लगता है कि पेट्रोल पंप पर आपके साथ धोखाधड़ी हो रही है? बचाव के लिए जानें ये अहम टिप्स

कई पेट्रोल पंपों के बारे में शिकायतें मिलती रहती हैं कि वे ग्राहकों को नए-नए तरीकों से धोखा देते हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं कि पेट्रोल भरवाने जाते समय आपको धोखाधड़ी से बचने के लिए किन महत्वपूर्ण टिप्स को फॉलो करना है।

देशभर में पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को ठगने की घटनाएं आम हैं। कई पेट्रोल पंपों के बारे में शिकायतें मिलती रहती हैं कि वे ग्राहकों को नए-नए तरीकों से धोखा देते हैं। हालांकि पेट्रोल या डीजल खरीदने वाले वाहन मालिक इन धोखाधड़ी की तरकीबों के बारे में सतर्क हो रहे हैं। लेकिन धोखेबाज भी ग्राहकों को ठगने के नए-नए तरीके ढूंढ रहे हैं। यह बहुत आम बात है कि किसी ने पेट्रोल या डीजल भरवाते समय पेट्रोल पंप पर धोखा खाया हो। कई पेट्रोल पंप कम ईंधन देकर और ज्यादा पैसे लेने के विभिन्न तरीकों से ग्राहकों को धोखा देते हैं। हालांकि ईंधन भरवाने के लिए पेट्रोल पंप पर जाते समय हर एक चीज की जांच करना संभव नहीं हो सकता है। लेकिन सतर्क रहने से उपभोक्ता धोखा खाने से बच सकता है।

यहां हम आपको बता रहे हैं कि पेट्रोल भरवाने जाते समय आपको धोखाधड़ी से बचने के लिए किन महत्वपूर्ण टिप्स को फॉलो करना है।

ईंधन भरवाने से पहले मीटर को जोरी पर सेट करना सुनिश्चित करें

यह साफ है कि ईंधन भरवाने से पहले ईंधन डिस्पेंसर के मीटर को जीरो पर सेट करना सुनिश्चित करें। अगर ईंधन डिस्पेंसर शून्य पर सेट नहीं है, तो पंप अटेंडेंट से वाहन में ईंधन डालने से पहले इसे रीसेट करने के लिए कहें। अक्सर धोखेबाज मीटर को शून्य पर सेट करने का नाटक करते हैं लेकिन वास्तव में वे ज्यादा मात्रा से ईंधन भरना शुरू कर देते हैं। इससे कम ईंधन मिलता है, जबकि ज्यादा पैसे लिए जाते हैं।

विषम (ऑड) राशि का ईंधन खरीदें

धोखेबाज ग्राहक को धोखा देने के लिए कई तरह की कम ईंधन भरने की तरकीबें अपनाते हैं। उनमें से एक विशिष्ट राशि के लिए कम ईंधन की मात्रा निर्धारित करना है। आमतौर पर कई ग्राहक, विशेषकर दोपहिया वाहन मालिक, 100 रुपये या उसके गुणा में ईंधन खरीदते हैं। कई पेट्रोल पंपों पर, अटेंडेंट इन राशियों पर एक निश्चित ईंधन मात्रा निर्धारित करते हैं। जो वास्तविक मात्रा से कम होती है। इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए, 525 रुपये या 1,155 रुपये जैसे विषम (ऑड) राशि का ईंधन खरीदें। ऐसा करने से धोखेबाजों के लिए ग्राहक को धोखा देना मुश्किल हो जाता है।

अपने ईंधन की जांच करें

अक्सर कई पेट्रोल पंप अटेंडेंट वाहनों को हाई-ऑक्टेन ईंधन से भर देते हैं, जिसे आमतौर पर पावर पेट्रोल के रूप में जाना जाता है। वे अक्सर बिना वाहन मालिक से पूछे ऐसा करते हैं। साधारण कारों में, उच्च-ऑक्टेन ईंधन का कोई मतलब नहीं होता है। हाई ऑक्टेन पेट्रोल कार को नकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं करता है लेकिन कोई फायदा भी नहीं देता है। हालांकि, इसकी वजह से उपभोक्ता को नियमित पेट्रोल की तुलना में ज्यादा पैसे देने पड़ते हैं। इसलिए, हमेशा जांच लें कि अटेंडेंट वाहन में कौन सा ईंधन डाल रहा है।

प्रतिष्ठित पेट्रोल पंप से ईंधन भरवाएं

प्रतिष्ठित पेट्रोल पंप से ईंधन भरवाना हमेशा अन्य पंपों से ईंधन भरवाने की तुलना में बढ़िया होता है। जिन प्रतिष्ठित पेट्रोल पंपों को आप जानते और भरोसा करते हैं, उनके पास हमेशा अच्छी तरह से प्रबंधित अटेंडेंट होते हैं। जिससे अन्य पंपों के अटेंडेंट की तुलना में स्थितियों से निपटना आसान हो जाता है।

मात्रा जांच करें

मात्रा जांच एक ऐसा कदम है जो ग्राहक कर सकता है। यदि उसे लगता है कि पेट्रोल पंप द्वारा दिया गया पेट्रोल या डीजल की मात्रा में गड़बड़ी है। इस तरह के संदेह के मामले में, आपको अटेंडेंट से मात्रा जांच के लिए कहना चाहिए। इस मामले में, अटेंडेंट एक कैलिब्रेटेड ईंधन कंटेनर को ईंधन की एक विशिष्ट मात्रा से भरता है। यदि कंटेनर तय निशान तक नहीं भरता है, तो पंप उपभोक्ता के साथ धोखा कर रहा है। वैसे भी रघुनाथ पेट्रोल पंप भारत पेट्रोलियम कंपनी लि द्वारा बनाया गया जो की आइ डी ए की जमीन पर जहां पर पहले कुआ हुआ करता था को लीज पर दिया गया है। वर्तमान वर्तमान संचालक राहुल गर्ग द्वारा कंपनी सांठगांठ करके बरसों से स्वयं के द्वारा चलाए जा रहा है। जिसमें कंपनी के अधिकारियों की भी भारी मिली भगत है।

साप्ताहिक समय माया

पेट्रोल पंप पर 80% कर, इथेनाल, नापने, मिलावट से भी होती है लूट

पेट्रोल पंपों पर मिलावट, डेंसिटी से भी लूटा जाता है जनता को

95% पेट्रोल पंपों पर मुफ्त हवा पानी मूत्रालय शौचालय आदि की व्यवस्था नहीं। खाद्य व नागरिक आपूर्ति व नापतौल के निरीक्षण को भी बताते हैं महीना इसलिए कोई जांच नहीं।

भारत में मोदी के सत्ता संभालने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल की कीमत आधी हो जाने के साथ रूस यूक्रेन युद्ध में अमेरिका द्वारा लगाए गए रस पर प्रतिबंधों के कारण रोशनी अंतरराष्ट्रीय बाजार से न केवल 25% कम पर पेट्रोल क्रूड को अपने देश की मुद्रा में बेचने के कारण भारत में पेट्रोल पंप की कीमत 40 से 45 डॉलर मेंपढ़ने के साथरबल काभारतीय रुपए से विनिमय दर के अनुसार भुगतान करने के कारण वास्तविकता में पेट्रोल की कीमत सरकार को 15 से 18 रुपए पड़ती है। जोकि अंबानी द्वारा आयात करने परवह उसमें 20% तक का अपना कमीशन जोड़ देता है। के बावजूद भी केंद्र सरकार 27% कस्टम एक्साइज लेने के बादलगभग आठ प्रकार के दो-दो प्रतिशत के जिसमें मनरेगा, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण सड़क, मध्यान भोजन के 16% कर जोड़ने के साथ मध्य प्रदेश सरकारकी 36% वेट वसूलती है। फिर उसमें 7 कमिशन पेट्रोल पंप बाले का जोड़ मध्य प्रदेश में बड़े जिलों में जहां पर पेट्रोल कंपनियों को डिब्बे हुए वहां पर 107 रुपए जहां डिपो नहीं है वहां से पेट्रोल पंप की दूरी तक वह पेट्रोल जाकर अलीराजपुर-झाबुआ में 112 रुपए तक वह पावर पेट्रोल होने पर कहीं 115 रुपए तो किसी पर 113 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल दिया जाता है। जिसने 20% तक रु.5 लीटर का शक्कर बनाने के समय निकाल एथेनॉल मिला दिया जाता है जिससे उस पेट्रोल की कीमत 10 से 12 रुपए प्रति लीटर होने के बाद में भी देश में सबसे ज्यादा महंगा मध्य प्रदेश में बेंचा जा रहा है। वैसे पेट्रोल में एथेनॉल के प्रयोग सेप्रदूषण कम तो नहीं होता वरण वाहनों के इंजनों की जान अवश्य निकल जाती है ओरिजिनल के प्रयोग करने के कारण देश के अंदर सभी दो पहिया चार पहिया वाहन निर्माता कंपनियों को आदेशित कर उसमें से कार्बोरेटर हटा दिया गया जो एथेनॉल पानी छोड़ता है उसके पानी बन जाने से न केवल पेट्रोल टैंक में पानी भरा रहता है। जिससे टैंक में जंग लगकर खत्म होने का खतरे के साथ अब सीधे ही वह पेट्रोल जो ब्लॉक पिस्टन में भी जाता है। उसको चालू करने में परेशानी खड़ी करने के साथ उसमें भी जंग लगने व खराब होने का खतरा खड़ा करता है। बेशक टंकी को पिस्टन से सीधा पाइप अब साइलेंसर के पाइप में जोड़ दिया गया है ताकि वह गर्म होकर उसमें से उड़ जाए।

पेट्रोल पंपों पर उसकी गुणवत्ता जांचने व देखरेख की जिम्मेदारी प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक विभाग के निरीक्षकों व अधिकारियों की होती है। इसलिए अधिकांश पेट्रोल पंप वाले अपने क्षेत्र केनिरीक्षक को 10 से रु. 20000 महीना उसके टर्नओवर के हिसाब से देते रहते हैं। बेशक जिन कंपनी का पेट्रोल पंप होता है उनके क्षेत्रीय प्रबंधक से लेकर कंपनी के निर्देशों को जिम्मेदारी होती है कि वह भी महीने में एक दो बार जाकर सभी पेट्रोल पंपों को मिलने वाले पेट्रोल की गुणवत्ता की जांच करें उसका आक्टेन व डेंसिटी नापें पर वे सब भी महीना वसूलते रहते हैं। इसके साथ ही पेट्रोल पंप पर आम वाहन चालक के लिए वाहनों में भरने के लिए निशुल्क हवापीने का पानी शौचालय मंत्रालय आदि की व्यवस्था को देखें न होने पर मालिक वह कंपनी को सूचित कर पूरी करवाने की व्यवस्था करें। इसके विपरीत 90% पेट्रोल पंपों परहवा पानीमिलने की तो दूर शौचालय मंत्रालय भर्ती ताले लगे होते हैं और पूछने पर कहा जाता है की अभी उसमें काम चल रहा है इस प्रकार धार रोड के कीमती पेट्रोल पंप उजागर सिंह चड्ढा का पेट्रोल पंप पर हवा पानी तो है ही नहीं जब मूत्रालय के बारे में पूछा गयातो वहां के कर्मचारी लड़ने पर उतारू हो गये। जबकि पेट्रोल पंपोंके महिला व पुरुषों के मूत्रालय शौचालय अलग होने चाहिए पर यह भी रिपोर्ट पाई गई की महिला शौचालय में आने को पेट्रोल पंपों पर गुप्त कैमरा से वीडियोग्राफी की व्यवस्था भी कर रखी थी इसके लिए भीखाद्य आपूर्ति विभाग के साथ क्षेत्र का थाना भी जिम्मेदार है। खबरें अखबार में छपने के बाद में भी किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

(शेष पेज 7 पर)

भ्रष्ट श्रेष्ठ शिरोमणि ने रू. 3600 करोड़ की मूर्ति में काम मात्र 36 लाख का

10 सालों में ऐसे हजारों भ्रष्टाचार की खबरें मीडिया से गायब

महाराष्ट्र में विपक्ष ने जूता मारो अभियान शुरू किया

महाराष्ट्र सिंधु-दुर्ग में हाल ही में जो शिवाजी महाराज की रुपए 3600 करोड़ की प्रतिमा जिसकी वास्तविक लागत टूटने के बाद सामने आए अवशेषों से लगता है दस लाख भी नहीं थी। जिस पर 3600 करोड रुपए खर्च किए गए यह खबर दो-तीन दिन चलती रही और उसके बाद यह खबर पूरे भारत के मीडिया के समाचार पत्रों और चैनल से हटा दिया गया। जिसमें ठेका 36 करोड़ में दिया गया भुगतान 28 लाख किया गया। इस प्रकार से खोखली लोहे के एंगल स्ट्रक्चर पर खड़ी की गई थी उसमें वास्तविक लागत 10 लख रुपए भी नहीं थी ऐसे ही सारे देश में सारी सड़कों भवनों पुलों जैसा की में लिखता रहा हूं। हर काम की डीपी आर ही 10 से 20 गुना ज्यादा की बनाई जाती है। और उसमें 60 से 80-90% तक कमीशन खा लिया जाता है। आप मेरे सच का अंदाजा महाराष्ट्र में टूटी शिवाजी महाराज की प्रतिमा से लगाने के साथ-साथ अयोध्या में बनाए गए मंदिर नई संसद भवन सभी देश के हवाई अड्डे गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कश्मीर, महाराष्ट्र आदि की कुछ ही समय में और बरसात के कारण बर्बादी से समझ सकते हैं की वही इंदौर-उज्जैन 50 किलोमीटर सड़क पर जहां रु. 35 टोल टैक्स लगता है वहीं इंदौर धार 50 किलोमीटर सड़क पर 1 सितंबर से 350 रुपए टोल टैक्स लगा और अभी वर्तमान में नेमावर से कन्नौज 50 मिनट की सड़क पर 9:30 सौ करोड़ का जो डीपीआर बनाया गया है वह भी वैसे ही जैसे शिवाजी महाराज की मूर्ति इस प्रकार से जितने भी पूरे देश में नही की सड़क यह हरामखोर नितिन गडकरी बना रहा है वह भी इसी तरीके से बनाई जा रही है 60 से 80% कमीशन पर काम तो उसमें अध्यक्ष प्रतिशत कहीं होगा पर जब टोल टैक्स लगाया जाएगा तो वह 5 से रु.50 प्रति किलोमीटर जनता से ही बस बोला जाएगा। शिवाजी महाराज की मूर्ति जो थोड़ी सी बरसात और तूफान में ढाई गई उसे पर अभी जो पूरे महाराष्ट्र में आने वाले चुनाव के कारण बवाल मचा हुआ है।

साप्ताहिक समय माया
samaymaya.com
करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत
साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व samaymaya.com की वेबसाइट पर समाचार, शिकायतें और विज्ञापन (प्रिंट एवं वीडियो) के लिए संपर्क करें
मप्र के समस्त जिलों में एजेंसी देना है एवं संवाददाता नियुक्त करना है
मो. 9425125569 / 9479535569
ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादकः अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958